राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार,23फरवरी–2023 वर्ष–6,अंक–31 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिल्ली के डिप्टी सीएम पर केस करेगी सीबीआई

गृह मंत्रालय ने दी मंजूरी, सिसोदिया पर नेताओं-अफसरों की जासूसी का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की जासूसी मामले में मुश्किलें बढ़ सकती हैं। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केजरीवाल सरकार के फीडबैक यूनिट के जरिए जासूसी कराने के के आरोपों पर CBI को जांच करने की मंजूरी दे दी है। CBI ने पिछले दिनों दिल्ली सरकार की 'फीडबैक यूनिट' पर जासूसी का आरोप लगाते हुए डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया और अन्य अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज करने की अनुमति मांगी थी।

भाजपा का आरोप- AAP छिपकर बातें सुन रही

भाजपा सांसद मनोज तिवारी इस मामले केजरीवाल सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था- दिल्ली की फीडबैक यूनिट जासूसी कर रही है। AAP छिपकर बातें सुन रही है। AAP के नेता दिल्ली के लिए काम नहीं कर रहे, बल्कि दिल्ली के टैक्सपेयर्स के पैसे से अवैध तरीके से जासूसी करते हैं।

इसके बाद भाजपा ने पिछले बुधवार को ITO से सचिवालय तक विरोध मार्च निकाला। इसके बाद ष्टरू केजरीवाल के आवास के बाहर धरना दिया। पार्टी कार्यकर्ता केजरीवाल से इस्तीफे की मांग की।

आप ने कहा- आरोप पूरी तरह से झूठे हैं-आम आदमी पार्टी ने कहा कि भाजपा का यह आरोप कि सिसोदिया राजनीतिक जासूसी में शामिल थे। पूरी तरह से झूठा है। केजरीवाल सरकार ने बयान में दावा किया गया कि ये सभी मामले राजनीति से प्रेरित हैं। साथ ही आरोप लगाया कि CBI-ED को मोदी और अडानी के बीच संदिग्ध संबंधों की जांच करनी चाहिए। जहां असल में भ्रष्टाचार हुआ।

CBI की शुरुआती जांच के दायरे में फीडबैक यूनिट, 4 पॉइंट में पूरा मामला

केजरीवाल सरकार ने 2015 में बनाई फीडबैक यूनिट 2015 विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करने के बाद अरविंद केजरीवाल ने एक फीडबैक यूनिट बनाई। इसका काम विभागों, संस्थानों, स्वतंत्र संस्थानों की निगरानी करना था और यहां के कामकाज पर प्रभावी फीडबैक देना था, ताकि इस आधार पर जरूरी सुधारों का एक्शन लिया जा सके।

राजनीतिक खुफिया जानकारी जुटाने में लग गई FBU CBI की शुरुआती जांच में सामने आया है कि FBU को जो काम दिया गया था, वह उसके अलावा खुफिया राजनीतिक जानकारियां जुटाने में भी लग गई। वह किसी व्यक्ति की राजनीतिक गतिविधियों, उससे जुड़े संस्थानों और आप के राजनीतिक फायदे वाले मुद्दों के लिए जानकारी जुटाने लगी।

700 केसों की जांच FBU ने की, इनमें 60 प्रतिशत राजनीतिक CBI के मुताबिक, अभी यह साफ नहीं कि FBU अभी भी एक्टिव है या नहीं। FBU ने अब तक 700 केसों की जांच की, इनमें 60 प्रतिशत राजनीतिक थे या फिर ऐसे, जिनका निगरानी से कोई लेनादेना नहीं है।

विजिलेंस अफसर की शिकायत पर जांच, 12 जनवरी को रिपोर्ट सौंपी 2016 में विजिलेंस डिपार्टमेंट में काम कर रहे एक अफसर की शिकायत पर CBI ने जांच शुरू की थी। 12 जनवरी 2023 को CBI ने विजिलेंस डिपार्टमेंट में रिपोर्ट दाखिल की। एजेंसी ने उप-राज्यपाल वीके सक्सेना से दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की है। CBI ने 2016 में विजिलेंस डायरेक्टर रहे सुकेश कुमार जैन और कई अन्य पर केस दर्ज करने की इजाजत मांगी है। सूत्रों के मुताबिक LG सक्सेना ने अब इस मामले को राष्ट्रपति के पास भेज दिया है।

कश्मीर से लेकर दक्षिण तक मौसम ने बदला अपना रूख, विभिन्न हिस्सों में बढ़ सकता है तापमान

नई दिल्ली। भारत में मौसम ने अपना रूख बदल लिया है। देश के अधिकतर हिस्सो में दिन में तापमान उच्च देखने को मिला है तो वहीं भारत के उत्तरी हिस्से में लोगों को बर्फबारी से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने यह अनुमान लगाया है कि आने वाले दिनों में उत्तर-पश्चिम, मध्य और पश्चिमी भारत में दिन का तापमान उच्च बना रहेगा। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को यह भी भविष्यवाणी की है कि देश में गर्मी की शुरुआत होने से यह गेहूं की फसलों के लिए अनूकूल नहीं होगा।

कश्मीर में रहेगा आसमान साफ-हिमाचल के विभिन्न हिस्सों में व्यापक वर्षा और ओलावृष्टि हुई, जिससे गर्म मौसम से कुछ राहत मिली। शिमला मौसम कार्यालय ने एक बयान में कहा कि शिमला में ओलावृष्टि लगभग 2 मिमी थी। श्रीनगर में मौसम विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश के कई हिस्सों में हल्की बर्फबारी के बाद कश्मीर में आसमान साफ रहेगा। हालांकि मौसम कार्यालय को अगले कुछ दिनों में कोंकण क्षेत्र और पश्चिमी के अन्य हिस्सों में तापमान बढ़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में कोंकण क्षेत्र और पश्चिम के अन्य हिस्सों में तापमान बढ़ने की संभावना जताई है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में वृद्धि सामान्य से 5-11 डिग्री अधिक हो सकती है। तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल क्षेत्र को छोड़कर फरवरी में कोई वर्षा नहीं हुई है। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 20 फरवरी तक 99 प्रतिशत वर्षा की कमी रही है तो वहीं पश्चिम बंगाल के गंगा क्षेत्रों में 97 प्रतिशत वर्षा की कमी रही। साथ ही ओडिशा में 99 प्रतिशत, तटीय आंध्र प्रदेश में 99 प्रतिशत, पूर्व और पश्चिम उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में 100 प्रतिशत वर्षा की कमी रही है। इसलिए मौसम के तापमान में वृद्धि देखने को मिल सकती है।

'मैं दादी का, तो प्रियंका नानी की लाडली थी', शादी के सवाल पर राहुल बोले- यह अजीब है...

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि वे अपनी दादी इंदिरा गांधी के पसंदीदा थे, तो बहन प्रियंका गांधी वाड्रा उनकी नानी पाओला माइनो की लाडली थीं। इटली के अखबार 'कोरियरे देला सेरा' को दिए साक्षात्कार में 52 वर्षीय राहुल गांधी ने शादी से जुड़े सवालों का भी जवाब दिया और कहा कि वे चाहेंगे कि उनके बच्चे हों।

शादी के सवाल पर क्या बोले राहुल?

यह पूछे जाने पर कि उन्होंने अब तक शादी क्यों नहीं की, राहुल ने कहा, यह अजीब है...जो मैं नहीं जानता। बहुत सारी चीजें करने हो हैं। परंतु मैं चाहूंगा कि बच्चे हों। राहुल ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 3,500 किलोमीटर की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर भी अपना अनुभव साझा किया।

दाढ़ी बढ़ाने को लेकर राहुल ने कहा-

दाढ़ी बढ़ाने के संदर्भ में राहुल ने कहा, 'मैंने फैसला किया था कि पदयात्रा (भारत जोड़ो यात्रा) के दौरान दाढ़ी नहीं कटवाऊंगा। अब मुझे फैसला यह करना है कि आगे दाढ़ी रखनी है या नहीं रखनी है।' राहुल गांधी ने कहा, 'मेरी नानी 98 साल की उम्र तक दुनिया में रहीं और मेरा उनसे बहुत लगाव था। मेरा अपने मामा वाल्टर, ममेरे भाई-बहनों और पूरे परिवार से भी जुड़ाव रहा है।'

पिछले साल हुआ था राहुल गांधी की नानी का निधन

बता दें कि राहुल की नानी पाओला माइनो का पिछले साल अगस्त में निधन हो गया था। साक्षात्कार में राहुल ने आरोप लगाया कि फासीवाद देश में पैर पसार रहा है, क्योंकि लोकतांत्रिक ढांचे ढह रहे हैं और संसद ठीक से काम नहीं कर रही है। राहुल के अनुसार, अगर विपक्ष फासीवाद से मुकाबले के लिए एक वैकल्पिक नजरिया पेश करता है, तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हराया जा सकता है।

बिहार सरकार ने बंद किए जजों के GPF अकाउंट, CJI भी हुए हैरान; बोले- क्या जजों के अकाउंट बंद कर दिए?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की एक याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गया। बता दें कि इस याचिका में दावा किया गया था कि उनके सामान्य भविष्य निधि खातों को बंद कर दिया गया है।

यह मामला मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस कृष्ण मुरारी और पी एस नरसिम्हा की पीठ के सामने आया है।

एक वकील ने बेंच के सामने इस मामले का जिक्र करते हुए कहा कि 7 जजों के जीपीएफ खाते बंद कर दिए गए हैं और मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है।

सीजेआई ने कहा, क्या? जजों का जीपीएफ खाता बंद हो गया? याचिकाकर्ता कौन है? इसे शुक्रवार को लिस्ट किया जाता है।

जस्टिस शैलेंद्र सिंह, अरुण कुमार झा, जितेंद्र कुमार, आलोक कुमार पांडेय, सुनील दत्ता मिश्रा, चंद्र प्रकाश सिंह और चंद्र शेखर झा द्वारा संयुक्त रूप से दायर याचिका का जब अधिवक्ता प्रेम प्रकाश ने जल्द सुनवाई के लिए उल्लेख किया, तो सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ की

पीठ ने आश्चर्य व्यक्त किया।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के जीपीएफ खाते को अचानक बंद करने पर और शुक्रवार को उनकी याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हुए।

इन न्यायाधीशों को अप्रैल 2010 में बिहार की सुपीरियर न्यायिक सेवाओं के तहत सीधी भर्ती के रूप में अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था।

उन्हें पिछले साल एचसी के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। जब वे न्यायिक अधिकारी थे, तब वे राष्ट्रीय पेंशन योजना का हिस्सा थे।

2016 में, बिहार सरकार ने एक नीति बनाई थी कि नई पेंशन योजना से पुरानी पेंशन योजना में जाने वाले लोग अपनी एनपीएस योगदान राशि वापस पाने के हकदार होंगे और इसे या तो उनके बैंक खाते में रखा जा सकता है या जीपीएफ खाते में जमा किया जा सकता है।

न्यायाधीश नियुक्त होने पर उन्हें एक-एक जीपीएफ खाता दिया गया, जहां से एनपीएस अंशदान राशि निकालकर जमा की।

वहीं, पिछले साल नवंबर में महालेखाकार ने कानून और न्याय मंत्रालय से इन न्यायाधीशों द्वारा एनपीएस योगदान को जीपीएफ खातों में स्थानांतरित करने की वैधता के बारे में स्पष्टीकरण मांगा था।

शिंदे शिवसेना के प्रमुख नेता घोषित

मुंबई। चुनाव आयोग द्वारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट को वास्तविक शिवसेना के रूप में मान्यता और धनुष और तीर का चुनाव चिह्न देने के बाद श्री शिंदे को आधिकारिक तौर पर पहली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मंगलवार शाम को मुंबई में आयोजित बैठक में पार्टी का प्रमुख नेता घोषित किया गया।

बैठक श्री शिंदे के नेतृत्व में हुई।

महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने कहा कि हम श्री शिंदे को शिवसेना के नेता के रूप में स्वीकार करते हैं। मंत्री दादा भुसे को पार्टी की अनुशासन समिति का प्रमुख बनाया गया है, जबकि शंभूराज देसाई और संजय मोरे को सदस्य बनाया गया है।

बैठक में सिद्धेश कदम को पार्टी सचिव नियुक्त करने का भी निर्णय लिया गया। शिवसेना में पार्टी प्रमुख और कार्यकारी अध्यक्ष का पद समाप्त कर दिया गया है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के खिलाफ काम करने वालों को अनुशासन समिति का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि बैठक के दौरान स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर को भारत रत्न से सम्मानित करने , राज्य में स्थानीय लोगों को 80

प्रतिशत नौकरियां दिये जाने , वीरमाता अहिल्याबाई होल्कर, छत्रपति संभाजी राजे के नाम राष्ट्रीय नायकों की सूची में शामिल करने , मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिये जाने चाहिए तथा मुंबई में चर्चगेट स्टेशन का नाम चिंतामनराव देशमुख के नाम पर रखे जाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

गर्मियों में रिकार्ड बिजली की मांग का अनुमान, 2.29 लाख मेगावाट तक जा सकती है डिमांड

नई दिल्ली। मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा सेक्टर के ग्रोथ के साथ ही बिजली की मांग लगातार बढ़ती जा रही है और देश के विकास की गति को देखते हुए इस साल गर्मी में बिजली की रिकार्ड मांग रहने का अनुमान है। औद्योगिक उत्पादन के साथ लोगों के लिए गर्मी में सुचारू रूप से बिजली की सप्लाई सुनिश्चित करने के लिए बिजली मंत्रालय ने आयातित कोयला आधारित सभी बिजली प्लांट को पूरी क्षमता से बिजली उत्पादन करने का निर्देश दिया है।

पीक मांग 2.29 लाख मेगावाट तक पहुंच सकती है

बिजली मंत्रालय बिजली कानून के तहत विशेष परिस्थिति में इस प्रकार का

निर्देश जारी कर सकता है। बिजली मंत्रालय के मुताबिक इस साल अप्रैल तक ही बिजली की पीक मांग 2.29 लाख मेगावाट तक पहुंच सकती है जो अब तक की सर्वाधिक पीक मांग होगी। पिछले साल गर्मी में पीक मांग 2.15 लाख मेगावाट आंकी गई थी। आगामी 16 मार्च से अगले तीन महीने तक आयातित कोयले पर आधारित समेत कोयला आधारित सभी पावर प्लांट को पूरी क्षमता से बिजली उत्पादन करने का निर्देश जारी किया है। ताकि गर्मी में बिजली की किल्लत नहीं हो।

सरकार तय करेगी बिजली की कीमतें

सूत्रों के मुताबिक आयातित कोयले पर आधारित पावर प्लांट से उत्पादित बिजली की कीमत सरकार का पैनल तय करेगा। ये प्लांट पावर एक्सचेंज के माध्यम से बिजली की बिक्री करेंगे। बिजली की पीक मांग लगातार बढ़ रही है और गत दिसंबर में पीक मांग 2.06 लाख मेगावाट तक पहुंच गई थी जबकि पिछले साल नवंबर में पीक मांग 1.88 लाख मेगावाट थी। इसके साथ ही बिजली का उत्पादन भी बढ़ रहा है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) के मुताबिक गत दिसंबर में 115.50 अरब यूनिट का बिजली उत्पादन रहा जबकि पिछले साल नवंबर में 108.44 अरब यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया था।

इलेक्ट्रिक वाहन और जीपीएस, दिल्ली में बाइक टैक्सी को लेकर बनी नई नीति में क्या-क्या है

नई दिल्ली। दिल्ली में बाइक टैक्सी चलाने को लेकर सरकार अपनी नीति को अंतिम रूप देने में जुटी है। इस नीति में केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों को ही बाइक टैक्सी के रूप में अनुमति देने का प्रस्ताव है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि दोपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों से जुड़ी संबंधित नीति अंतिम चरण में हैं और उसे शीघ्र ही लागू किया जाएगा।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, संबंधित नीति को अंतिम रूप दिया जा रहा है और उसमें इन वाहनों को विनियमित करने के लिए प्रावधान शामिल करने की योजना है। दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग ने वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जा रहे निजी पंजीयन वाले दो पहिया वाहनों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की है।

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि विभाग ने लीगल डिपार्टमेंट को स्क्रूटनी के लिए प्रोपोजल भेजा है और जल्द ही विभाग इसपर गौर करेगा। ट्रांसपोर्ट कमिश्नर आशीष कुंद्रा ने कहा कि जो फ्रेमवर्क तैयार किया गया है उसमें, एग्रीग्रेटर्स को को पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक बाइक का इस्तेमाल करना पड़ सकता है। इसके अलावा ड्राइवरों की सत्यता

की जांच पुलिस से करवाने, ड्राइवरों के लिए लाइसेंस और परमिट के लिए अप्लाई करने तथा मोटरसाइकिलों के कमर्शियल रजिस्ट्रेशन की बात कही गई है।

उन्होंने कहा कि व्हीकल में यात्रियों की सुरक्षा के लिए जीपएस ट्रैकर लगाने की बात भी कही गई है। परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा है कि दो पहिया, तीन पहिया और चार पाहिया वाहनों के लिए बनाई जा रही नीति अपने अंतिम चरण में है और जल्द ही इसे लागू कर दिया जाएगा। इस वक्त ओला, उबर और रैपिडो बाइक टैक्सी की सेवा देते हैं। किफायती होने की वजह से इनकी लोकप्रियता भी काफी बढ़ी है। चार पहिया और तीन पहिया वाहनों की तुलना में बाइक टैक्सी कम वक्त में यात्रियों को उनके मंजिल तक पहुंचाती है। आंकड़े के मुताबिक विभिन्न दिल्ली में विभिन्न राइड शेयरिंग प्लेटफॉर्म से हर हफ्ते करीब 5 लाख से साढ़े सात लाख ट्रिप पूरे किये जाते हैं। बता दें कि परिवहन विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा था कि ऐसी जानकारी सामने आई है कि गैर परिवहन (प्राइवेट) पंजीकरण नंबर के दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल किराए के लिए किया जा रहा है। जो कॉमर्शियल ऑपरेशन और मोटर व्हीकल्स नियम 1988 का उल्लघंन है। इसके साथ ही दिल्ली सरकार ने ऐप आधारित कैब बुकिंग एग्रीगेटर्स की इस सेवा पर पाबंदी लगा दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

जलवायु जोखिम

जिस ग्लोबल वार्मिंग संकट को लेकर मीडिया व पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठन लगातार चेताते रहे हैं वह अब हकीकत बनता जा रहा है। विडंबना यह है कि इस संकट की गंभीरता के प्रति न तो नीति-नियंता गंभीर नजर आए और न ही जनता के स्तर पर जागरूकता दिखाई दे रही है। यह संकट कितना बड़ा है, वैश्विक संस्था क्रॉस डिपेंडेंसी इनिशिएटिव यानी एक्सडीआई की रिपोर्ट उजागर कर देती है। संस्था ने दुनिया के तमाम राज्यों, प्रांतों और क्षेत्रों में निर्मित पर्यावरण केंद्रित भौतिक जलवायु के जोखिम का तार्किक विश्लेषण किया है। दरअसल, जलवायु परिवर्तन के चलते हमारी फसलों, आबोहवा तथा जल स्रोतों पर पड़ने वाले प्रभावों के आकलन के बाद पचास संवेदनशील क्षेत्रों का चयन किया गया है। चिंता की बात यह है कि अमेरिका व चीन के बाद भारत के तमाम राज्य इस संकट वाली सूची में शामिल हैं। उसमें पंजाब भी शामिल है। यूं तो इस सूची में बिहार, उत्तर प्रदेश, असम, राजस्थान, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात व केरल भी शामिल हैं, लेकिन पंजाब को लेकर हमारी चिंता बड़ी होनी चाहिए। इसकी एक वजह पंजाब का राष्ट्रीय खाद्यान्न पूल में बड़ा योगदान होना है। यदि ग्लोबल वार्मिंग संकट का राज्य में विकट प्रभाव नजर आता है तो देश की खाद्यान्न सुरक्षा के लिये भी चुनौती पैदा हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पंजाब संवेदनशील सीमावर्ती राज्य है, जिसकी किसी तरह की समस्या जटिलता को जन्म दे सकती है। यद्यपि देश के अन्य राज्यों में जलवायु परिवर्तन के जोखिम को भी हल्के में लेने की जरूरत नहीं है। इस समस्या की गंभीरता को देखते हुए राष्ट्रीय स्तर पर इस चुनौती के मुकाबले के लिये रणनीति बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। वह भी ऐसे वक्त में जब देश में आर्थिक विषमता लगातार बढ़ रही है, हमें जलवायु परिवर्तन से होने वाले संकट के प्रति सचेत होना पड़ेगा। दरअसल, इस संकट की बड़ी मार समाज के कमजोर वर्गों व खेतिहर श्रमिक जैसे पेशों पर पड़ती है।

दरअसल, इस गंभीर समस्या के प्रति जहां केंद्र व राज्यों को मिलकर मुहिम चलाने की जरूरत है, वहीं किसानों व आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि बढ़ते तापमान से हमारी फसलों की उत्पादकता घट जाती है। किसानों ने पिछले साल भी खेतों में लहलहाती फसलों को लेकर जो उम्मीदें जगायी थीं, वो अधिक तापमान होने से अनाज के उत्पादन व गुणवत्ता में आई गिरावट के चलते टूट गईं। कमोबेश ऐसी ही स्थिति इस बार भी नजर आ रही है, जिसने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। ऐसे में हमारे कृषि वैज्ञानिकों को आगे आने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में अब तक प्रयोगशालाओं में जो शोध हुए हैं, उसे खेत-खलिहानों तक पहुंचाने की जरूरत है। यह तय है कि दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन करने वाले विकसित देश इस दिशा में कई दशकों से जिस तरह लापरवाह बने हुए हैं, उसमें जल्दी कोई बदलाव होता नजर नहीं आता। ऐसे में हमें हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने, जीवाश्म ऊर्जा से परहेज तथा प्रकृति अनुकूल नीतियों को प्रश्रय देना होगा। इतना तय है कि हमारी उपभोक्तावादी संस्कृति और प्रकृति के चक्र में मानवीय हस्तक्षेप ने समस्या को जटिल बनाया है। ऐसे में हमें वृक्ष लगाने तथा हरित इलाके के विस्तार को प्राथमिकता देनी होगी। मौसम में असामान्य बदलाव से हमारे परंपरागत जल स्रोतों पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिये हमें जल स्रोतों के संरक्षण पर विशेष ध्यान देना होगा। यह तय है कि जैसे-जैसे तापमान बढ़ता है जल स्रोत सिमटने लगते हैं। ऐसा ही संकट देश के कई महानगरों में मंडरा रहा है। वहीं हाल के तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि से गेहूं, दलहन और तिलहन पर असर पड़ने की आशंका है। इतना ही नहीं, हमारे मौसमी फल भी इसकी जद में आ सकते हैं। गुणवत्ता के साथ ही उत्पादकता पर जलवायु परिवर्तन का असर नजर आ रहा है। आजकल फरवरी में हम जो अप्रैल के मौसम का अहसास कर रहे हैं, उसे जलवायु जोखिमों की आहट ही मानना होगा।

जद (यू) को कितना नुकसान

बिहार में उपेंद्र कुशवाहा ने जदयू को अलविदा कहकर राष्ट्रीय लोक जनता दल नाम से नई पार्टी बना ली है। वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की इस घोषणा से नाराज हैं, जिसमें कहा गया राज्य में अगला विधानसभा चुनाव उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव में लड़ा जाएगा। हालांकि जदयू सीएम नीतीश के इस बयान से मुकर गया है। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा है कि 2025 तक नीतीश ही सीएम रहेंगे और 2025 में ही तय किया जाएगा कि किसके नेतृत्व में विस चुनाव लड़ा जाए। बहरहाल, कुशवाहा ने अपनी राह पकड़ ली है, और भाजपा से दोस्ती की बात से इनकार नहीं किया है। यह भी कह रहे हैं कि जननायक कपरूरी ठाकुर की विरासत को सहेजे रखने का काम करेंगे जिसे नीतीश बर्बाद कर रहे हैं। बिहार जैसे राज्य में जहां जातीय गुणा-भाग महत्वपूर्ण रहता है। ऐसे में किसी नेता के साथ छोड़ जाने के कारणों को खंगालने कवायद शुरू हो जाती है, जिसकी जाति की संख्या अच्छी-खासी होती है। बिहार में कुशवाहा समाज की संख्या खासी है, जिसे राज्य में अन्य ताकतवर पिछड़े जाति समूह कुर्मी के समकक्ष ही माना जाता है। इस्तीफा देते समय कुशवाहा ने जो कहा है, उससे पता चलता है कि अपने जातीय आधार पर वे चाहते थे कि मुख्यमंत्री स्वयं के नेतृत्व में चुनाव न लड़ने की सूरत में उनके नाम पर गौर करते। और वह ऐसा कह भी रहे हैं कि नीतीश अपने घर को मजबूत करने की बजाय दूसरे के घर में उत्तराधिकारी क्यों ढूंढ़ रहे हैं? यदि वह अति पिछड़ा समाज से किसी को चुनते तो कोई दिक्कत नहीं होती। उन्हें उपेंद्र कुशवाहा पसंद नहीं थे तो कोई बाद नहीं, लेकिन परिवार के अंदर ही किसी को ढूंढ़ते। तो यह सारा उपक्रम पार्टी में हिस्सेदारी बढ़ाने का है। राजनीति में ऐसा होना कोई नई बात नहीं है। महत्वाकांक्षा बुरी बात नहीं है, और राजनीति का तो यह अविभाज्य अंग होती है, लेकिन महत्वाकांक्षा इतनी हावी नहीं होनी चाहिए कि फैसलों में मौकापरस्ती दिखने लगे। तमाम उदाहरण हैं कि महत्वाकांक्षावश फैसले करने वाले नेताओं ने अपनी विसनीयता खो दी। मतदाता ने उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दिया। मतदाता गौर से देख रहा होता है कि उसकी जातीय अस्मिता की दुहाई देकर किस प्रकार कोई नेता अपनी राजनीतिक रोटियां सेंक रहा है। ध्यान रहना चाहिए कि जाति-धर्म से इतर नैतिक रूप से मजबूत व्यक्ति जनता में अपनी साख ज्यादा समय तक बनाए रखता है।

चिंतन-मनन

दुःखी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

राजनीति : नीतीश के मन में क्या है

इसे बिहार का दुर्भाग्य कहेंगे कि जब-जब लोगों को उम्मीद बनती है तभी नेता का माथा घूम जाता है। नीतीश ने 2005 से 2010 के बीच जिस तरह काम किया उससे बिहार के साथ पूरे देश में उम्मीद बढ़ी। भाजपा का उन्हें पूरा साथ मिला। जब से उनके अंदर राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं कुलांचे मारने लगीं, सुशासन हाशिए पर चला गया। लगता नहीं कि नीतीश शांत मन से बैठकर इस दिशा में विचार करने के लिए किंचित भी तैयार हैं। उनके साथ के लोगों को तो लगता ही नहीं कि शासन-प्रशासन से कोई सरोकार हो।

अवधेश कुमार

पिछले कुछ महीनों में शायद ही ऐसा कोई सप्ताह होगा जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार को आगामी लोक सभा चुनाव में पराजित करने संबंधी वक्तव्य न दिया हो।

बिहार ही नहीं देश भर में रहने वाले बिहार के निवासियों से आप बात करिए तो वे यही कहेंगे कि नीतीश को राजनीति करनी है करें लेकिन बिहार की जनता ने उनको भाजपा के साथ मुख्यमंत्री बनाया उसकी जिम्मेवारी का पालन जरूर करें।

तो क्या लोगों की प्रतिक्रियाएं बताती हैं कि नीतीश की प्राथमिकता में शासन-प्रशासन से ज्यादा भाजपा विरोधी राजनीति है? ऐसा है तो इसके परिणाम क्या आ रहे हैं? बिहार काफी समय से कानून व्यवस्था के मोर्चे पर कमजोर होते जाने के साथ शिक्षा व्यवस्था के पतन, विकास के कार्यों की मंद गति आदि से बुरी तरह ग्रस्त है। किसी सरकार का मुख्य फोकस होना चाहिए कि कैसे बिहार में कानून व्यवस्था पटरी पर आए, अर्थव्यवस्था संभले, शिक्षा तंत्र अपनी स्वाभाविक भूमिका में लौटे। आप प्रदेश का कोई भी समाचारपत्र उठा लीजिए, वेबसाइट देख लीजिए सरेआम गोली चलने, मारपीट, हत्या आदि की खबरें आपको विचलित करेंगी। स्वयं शिक्षक और शिक्षा तंत्र में शीर्ष पर बैठे लोग आप को अपनी ही व्यवस्था से शिकायत करते मिल जाएंगे। परीक्षाएं नकल और कदाचार की पर्याय हैं। विविद्यालयों की दशा कोई भी जाकर देख सकता है। विज्ञान के किसी शिक्षक से बात करिए और वो ईमानदार हैं तो बताएंगे कि पहले कम से कम प्रैक्टिकल में उनके पास कुछ लोग पैरवी करने आ जाते थे ताकि परीक्षार्थी को अच्छे अंक मिल सकें।

अब उसके लिए भी नहीं आते क्योंकि हमें सबको पास कर देना है। लोग अपने बच्चों को निजी संस्थानों या कोचिंग में पढ़ाने के लिए विवश हैं। यही स्थिति कानून-व्यवस्था के मामले में भी है। भय पूरे माहौल में है कि कहीं 90 के दशक वाली स्थिति पैदा न हो जाए। आप वहां निर्माण का काम करने वाले या छोटे-मोटे व्यापार करने वालों के बीच सर्वे कर लीजिए। आपको ऐसे लोग मिल जाएंगे जो बताएंगे कि उन्हें काम करने के लिए दादागिरी टैक्स देना पड़ रहा है। धमकी-मारपीट से लेकर कई तरह से परेशानियां सामने आती हैं। ज्यादातर लोग पुलिस में शिकायत करने से बचते हैं। प्रशासनिक भ्रष्टाचार, अनदेखी और स्थानीय-प्रादेशिक राजनीतिक संरक्षण के कारण शराब और मादक द्रव्यों का भयानक तंत्र पूरे प्रदेश में विकसित है। इन अस्वीकार्य परिस्थितियों के रहते कोई कैसे मान ले कि वर्तमान सरकार की प्राथमिकता में राज्य का विकास और सुशासन है? क्या कोई बता सकता है कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री ने इस उद्देश्य के लिए कोई बड़ी नियोजित बैठक की है कि बिहार को हमें सामाजिक-आर्थिक विकास में अन्य राज्यों से आगे ले जाना है? नीतीश और तेजस्वी पड़ोस के उत्तर प्रदेश को देखें। योगी आदित्यनाथ के भगवा को लेकर राजनीतिक टिप्पणी आप करिए, लेकिन देखें कि आर्थिक-सामाजिक-विकास, सांस्कृतिक संरक्षण तथा कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर उत्तर प्रदेश किस तरह देश के शीर्ष राज्यों की कतार में खड़ा हो गया है? अभी लखनऊ में 2 दिनों के निवेशक सम्मेलन का वह दृश्य उत्तर प्रदेश में पहले दुर्लभ था।

हम नहीं कहते कि जितने एमओयू हस्ताक्षरित हुए हैं, सारे धरती पर उतर ही जाएंगे लेकिन देश और बाहर के पूंजी निवेशक, कारोबारी, उद्योगपति उप्र में पूंजी लगाने तथा काम करने की घोषणा करते हैं, तो यह 2017 के पहले की स्थिति को देखते हुए सामान्य तस्वीर नहीं है। यही नहीं, योगी आदित्यनाथ के मुंबई दौरे में फिल्मी दुनिया से जुड़े लोग भी उनकी बैठकों में शामिल होकर उम्मीद करते हैं कि भविष्य में उप्र फिल्म निर्माण का बड़ा केंद्र होगा। कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर तो बहुत कुछ कहने की आवश्यकता नहीं। हालांकि कानपुर और बांदा जैसी घटनाएं निश्चित रूप से परेशान करती हैं किंतु कोई भी कह सकता है कि यह उप्र के लिए सामान्य स्थिति नहीं, बल्कि अपवाद है। उत्तर प्रदेश में तीर्थयात्रियों व पर्यटकों की संख्या में पिछले कुछ वर्षो में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। क्या बिहार के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री इससे सीख नहीं ले सकते? योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम भी राजनीति करती है, लेकिन राजनीतिक ताकत के लिए मोदी की थीम बहुत सीधी है-विकास और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर उच्चतम स्तर पर जाने का लक्ष्य रखिए, समाज के निचले तबके तक विकास और कल्याण कार्यक्रमों को पहुंचाने, नई पीढ़ी के लिए बेहतर शिक्षा और हरसंभव रोजगार पर काम करिए, धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक महत्त्व के स्थानों का विकास करते हुए उन्हें संरक्षण दीजिए। आपको राजनीतिक सफलता का ठोस आधार मिल जाएगा।

नीतीश और तेजस्वी को भाजपा से मुकाबला करना है तो उनकी जो अच्छाइयां हैं, उन्हें अपनाने की कोशिश करें। आखिर, मोदी राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो उन्होंने लोगों के सामने गुजरात में अपने कार्यों को रखा जिसे मीडिया ने गुजरात मॉडल का नाम दिया। लोग यह तो सोचेंगे कि मोदी के मुकाबले नीतीश अगर विपक्षी दलों का गठबंधन कर सरकार का स्थानापन्न करना चाहते हैं, तो विकास, कानून और व्यवस्था आदि के मुद्दे पर उनके तरकश में क्या है? अगर आपके पास लोगों को दिखाने और विश्वास दिलाने के लिए इन मामलों में सफलताएं हैं, तभी आपकी राजनीति को ताकत मिल सकती है। केवल मोदी हटाओ और विपक्षी दलों को एक करो का नारा पहले भी असफल रहा है। कारण, इनके पास मोदी और भाजपा के समानांतर जनता को विश्वास दिलाने के लिए उपलब्धियों का ठोस आधार नहीं रहा।

इसे बिहार का दुर्भाग्य कहेंगे कि जब-जब लोगों को उम्मीद बनती है तभी नेता का माथा घूम जाता है। नीतीश ने 2005 से 2010 के बीच जिस तरह काम किया उससे बिहार के साथ पूरे देश में उम्मीद बढ़ी। भाजपा का उन्हें पूरा साथ मिला। जब से उनके अंदर राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं कुलांचे मारने लगीं, सुशासन हाशिए पर चला गया। लगता नहीं कि नीतीश शांत मन से बैठकर इस दिशा में विचार करने के लिए किंचित भी तैयार हैं। उनके साथ के लोगों को तो लगता ही नहीं कि शासन-प्रशासन से कोई सरोकार हो। स्वाभाविक ही समय आने पर बिहार के लोग अपनी प्रतिक्रिया देंगे।

विचार-मंथन

मोबाइल गेम और इंटरनेट के मकड़जाल में फंसे भारतीय

सुनत जैन

देश में ऑनलाइन गेमिंग की लत बढ़ती ही जा रही है। स्मार्टफोन पर युवा, बच्चे और बड़े सभी 3 से 4 घंटे का समय व्यतीत कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी भारत के सभी आयु वर्ग के लोग अपना समय बिता रहे हैं। उसके कारण उनकी आर्थिक, मानसिक, सामाजिक शैक्षणिक, गतिविधियों मे बड़ा नुकसान हो रहा है। इसके बाद भी सरकार का इस ओर ध्यान नहीं है। जिसके कारण भारतीय सामाजिक व्यवस्था में बहुत बड़े नुकसान देखने मे आ रहे हैं।

ऑनलाइन गेम में छोटे-छोटे बच्चों से लेकर सभी आयु वर्ग के लोग कई घंटे का अपना समय ऑनलाइन गेम खेलने में गुजार देते हैं। जिसके कारण, पढ़ाई कारोबार नौकरी पारिवारिक एवं सामाजिक जिम्मेदारियों और शारीरिक विकास में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसके साथ ही शारीरिक एवं मानसिक बीमारियां भी तेजी से बढ़ने लगी हैं।

हाल ही में डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट प्रकाशित हुई है। उसमें भारत के 11 से 17 साल के 74 फ़ीसदी बच्चे शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। 150 मिनट भी इस आयु वर्ग के बच्चे एवं युवा, खेलकूद या अन्य शारीरिक गतिविधियों मैं भाग नहीं लेने का तथ्य उजागर हुआ हैं। देश के 41 फ़ीसदी लोग डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार शारी?रिक रुप से स?क्रिय नहीं है। उनका ज्यादा से ज्यादा समय स्मार्टफोन के साथ गुजरता है। जिसका असर उनकी पढ़ाई, कैरियर या अन्य कामों पर पड़ रहा है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार भारत के 18 साल से ऊपर की 7.7 करोड़ आबादी डायबिटीज टाइप 2 की शिकार हैं। 2.5 करोड़ लोग डायबिटिक होने की कगार पर खड़े हैं। हर साल 28 लाख लोग मोटापे का शिकार होकर हार्ट अटैक जैसी बीमारियों से ग्रस्त हैं। भारत के 47 लाख लोगों को दिल की बीमारी है। 6.1 करोड से अधिक लोग ओस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधी बीमारियां) से पीड़ित हो चुके हैं। शारीरिक रूप से सक्रिय नहीं होने के कारण कई तरह के कैंसर और रक्त प्रवाह ठीक ना होने के कारण स्ट्रोक के लगभग 65 लाख मरीज पाए गए हैं। उपरोक्त सभी बीमारियों का प्रमुख कारण लोगों का शारीरिक श्रम और सक्रियता एक तरह से खत्म हो गई है।

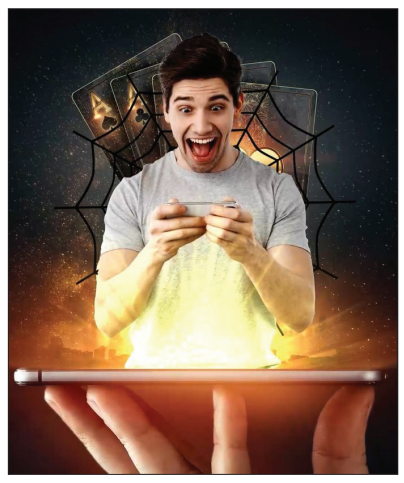

इस समय टीवी, सोशल मीडिया, यूट्यूब पर सभी जगह ऑनलाइन गेम का प्रचार किया जा रहा है। बड़े-बड़े स्टार ऑनलाइन गेम का प्रचार कर रहे हैं। जिसके कारण बड़ी संख्या में लोग ऑनलाइन गेम से जुड़ रहे हैं। घंटों गेम खेलते रहते हैं। हर तरफ ऑनलाइन गेम की धूम मची हुई है। तरह तरह के खेल ऑनलाइन उपलब्ध हैं। इसमें जुए की प्रवृत्ति भी डाली जा रही है। हजारों रुपया प्रति परिवार ऑनलाइन गेम में खर्च हो रहा है। बेरोजगारी और आर्थिक मंदी के दौर में बच्चे, युवा, छात्र-छात्राएं, पौढ , घरेलू महिलाएं, कामकाजी महिलाएं,सभी लोग काम-धाम छोड़कर घंटों स्मार्टफोन पर ऑनलाइन गेम खेलते रहते हैं। जिसके कारण पारिवारिक, सामाजिक, शैक्षणिक गतिविधियां बुरी तरह से प्रभावित हो रही हैं।

भारत में स्मार्टफोन के एडिक्शन ने सभी किस्म के नशों को पीछे छोड़ दिया है। छोटे-छोटे बच्चों से फोन लेने पर वह नाराज होकर मचल जाते हैं खाना पीना बंद कर देते हैं। छात्र-छात्राओं और युवाओं पर अब उनके माता-पिता एवं शिक्षकों का भी कोई नियंत्रण नहीं रहा। कठोरता करने पर युवा घर छोड़कर चले जाने और आत्महत्या जैसे हजारों मामले देश में सामने आ चुके हैं। सरकार चैन की बंसी बजा रही है। इन सब बुराइयों को बढ़ाने में सरकार की नीतियां ऑनलाइन कंपनियों को मदद कर रही है।

स्मार्टफोन ने भारतीय जनजीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया है। 5जी की सुविधा शुरू हो जाने के बाद इसके दुष्परिणाम और भी तेजी के साथ देखने को मिलेंगे। किसी भी देश को यदि गुलाम बनाना है, तो उसे किसी नशे की लत का गुलाम बना दो। हजारों-लाखों वर्षों का इतिहास देखा जाए, तो कभी भी स्मार्टफोन और ऑनलाइन गेम के जरिए जो नशा वर्तमान में फैलाया जा रहा है। वैसा नशा कभी भी,किसी भी समाज या देश में इसके पहले नहीं देखा गया। भारत में स्मार्टफोन और इंटरनेट सुविधा के माध्यम से ऑनलाइन गेम में सभी आयु वर्ग के लोगों को परोसे जा रहे हैं। पोर्न साइट की अश्लील सामग्री ने भारत की 50 फ़ीसदी से ज्यादा आबादी को मानसिक और अपराधिक गतिविधियों से जोड़ दिया है। इसके खतरनाक परिणाम अभी प्रारंभिक स्तर पर ही इतने भयावह हैं। कुछ समय बाद इनके परिणाम क्या होंगे, इसको आसानी से सोचा और समझा जा सकता है। समय रहते यदि इस बुराई को खत्म करने के लिए पारिवारिक, सामाजिक एवं शासन स्तर पर बेहतर प्रयास नहीं शुरू किए गए,तो इसके दुष्परिणाम देश के सभी लोगों के लिए बहुत खराब होंगे। तकनीकी का उपयोग, सामाजिक विकास के लिए होना चाहिए। नाकि सामाजिक विनाश के लिए होना चाहिए। इस पर सभी को विचार करना जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर

संविधान और लोकतंत्र, दोनों की रक्षा

प्रमोद भार्गव

सर्वोच्च न्यायालय ने जम्मू कश्मीर में विधानसभा और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया। इसी के साथ इस केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव कराने के रास्ते की बड़ी बाधा दूर हो गई।

अब चाहे तो केंद्र सरकार वहां चुनाव कराने का फैसला ले सकती है। न्यायालय ने यह भी साफ कर दिया है कि परिसीमन पर प्रतिबंध से इंकार वाले इस निर्णय का जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन कानून-2019 की वैधानिकता को चुनौती देने वाले प्रकरण की सुनवाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इसी परिप्रेक्ष्य में धारा -370 को शून्य किए जाने के केंद्र के फैसले के विरु द्ध शीर्ष अदालत की संविधान पीठ में अलग सुनवाई चल रही है। यह फैसला न्यायमूर्ति एसके कौल एवं एएस ओका की पीठ ने हाजी अब्दुल गनी खान और मोहम्मद अयूब मट्टू की याचिका पर दिया है।

जम्मू-कश्मीर के बंटवारे और विधानसभा सीटों के विभाजन संबंधी पुनर्गठन विधेयक-2019, 31 अक्टूबर, 2019 को लागू कर दिया गया था। विधि एवं न्याय मंत्रालय ने 6 मार्च, 2020 को परिसीमन अधिनियम, 2002 की धारा-3 के तहत इसके पुनर्गठन की अधिसूचना जारी की थी। इसी में शीर्ष अदालत की सेवानिवृत्त न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में परिसीमन आयोग के गठन की बात कही गई थी। इसे भंग करने वाली याचिका में दावा किया गया था कि परिसीमन की कवायद संविधान की भावनाओं के विपरीत है। खैर, इसके लागू होने के बाद राज्य की भूमि ही नहीं, राजनीति का भी भूगोल बदल गया। सही मायनों में परिसीमन से भौगोलिक, सांप्रदायिक और जातिगत असमानताएं तो दूर हुई ही, अनुसूचित जाति/जनजातियों के लिए सीटें भी आरक्षित कर दी गई हैं। जब भी राज्य में चुनाव होगा, इसी रिपोर्ट के मुताबिक होगा क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने आयोग के गठन की वैधता को सही ठहराया है। जम्मू-कश्मीर का करीब 60 प्रतिशत क्षेत्र लद्दाख में है। इसी क्षेत्र में लेह आता है, जो अब लद्दाख की राजधानी है। यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता है।

लगातार 70 साल लद्दाख, कश्मीर के शासकों की बदनीयति का शिकार रहा है। अब तक यहां विधानसभा की मात्र चार सीटें थीं, इसलिए राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास को तरजीह नहीं देती थी। लिहाजा, आजादी के बाद से ही इस क्षेत्र के लोगों में केंद्र शासित प्रदेश बनाने की चिंगारी सुलग रही थी। अप इस मांग की पूर्ति हो गई है। इस मांग के लिए 1989 में लद्दाख बुद्धिस्ट एसोशिएशन का गठन हुआ और तभी से यह संस्था कश्मीर से अलग होने का आंदोलन छेड़े हुए थी। 2002 में लद्दाख यूनियन टेरिटरी फ्रंट के अस्तित्व में आने के बाद इस मांग ने राजनीतिक रूप ले लिया था। 2005 में इस फ्रंट ने लेह हिल डवलपमेंट काउंसिल की 26 में से 24 सीटें जीत ली थीं। इस सफलता के बाद इसने पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसी मुद्दे के आधार पर 2004 में थुप्स्तन छिवांग सांसद बने। 2014 में छिवांग भाजपा उम्मीदवार के रूप में लद्दाख से फिर सांसद बने। 2019 में भाजपा ने लद्दाख से जमयांग सेरिंग नामग्याल को उम्मीदवार बनाया और वे जीत गए। लेह-लद्दाख क्षेत्र विषम हिमालयी भौगोलिक परिस्थितियों के कारण साल में छह माह लगभग बंद रहता है। सड़क मागरे और पुलों का विकास नहीं होने के कारण यहां के लोग अपने ही क्षेत्र में सिमट कर रह जाते हैं। जम्मू-कश्मीर में अंतिम बार 1995 में परिसीमन हुआ था। राज्य का विलोपित संविधान कहता था कि हर 10 साल में परिसीमन जारी रखते हुए जनसंख्सा के घनत्व के आधार पर विधानसभा और लोक सभा क्षेत्रों का निर्धारण होना चाहिए। इसी आधार पर राज्य में 2005 में परिसीमन होना था लेकिन 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने राज्य संविधान में संशोधन कर 2026 तक इस पर रोक लगा दी थी। बहाना बनाया कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़े आने तक परिसीमन नहीं होगा। परिसीमन से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की कुल 111 सीटें थीं। इनमें से 24 सीटें पीओके में आती हैं। इस उम्मीद के चलते ये सीटें खाली रहती हैं कि एक न एक दिन पीओके भारत के कब्जे में आ जाएगा। बाकी 87 सीटों पर चुनाव होता है।

अब तक कश्मीर यानी घाटी में 46, जम्मू में 37 और लद्दाख में 4 विधानसभा सीटें हैं। 2011 की जनगणना के आधार पर राज्य में जम्मू संभाग की जनसंख्या 53 लाख 78 हजार 538 है। यह प्रांत की 42.89 प्रतिशत आबादी है। राज्य का 25.93 फीसदी क्षेत्र जम्मू संभाग में आता है। इस क्षेत्र में विधानसभा की 37 सीटें आती हैं। दूसरी तरफ कश्मीर घाटी की आबादी 68 लाख 88 हजार 475 है। प्रदेश की आबादी का यह 54.93 प्रतिशत भाग है। कश्मीर संभाग का क्षेत्रफल राज्य के क्षेत्रफल का 15.73 प्रतिशत है। यहां से कुल 46 विधायक चुने जाते थे। इसके अलावा राज्य के 58.33 प्रतिशत वाले भू-भाग लद्दाख संभाग में महज 4 विधानसभा सीटें थीं, जो अब लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद विलोपित कर दी गई हैं। साफ है, जनसंख्यात्मक घनत्व और संभागवार भौगोलिक अनुपात में बड़ी असमानता थी, जनहित में इसे दूर किया जाना, जिम्मेवार सरकार की जिम्मेवारी बनती थी। केंद्र सरकार द्वारा गठित आयोग ने यह असमानता दूर करके संविधान और लोकतंत्र, दोनों की रक्षा की है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जब उदय चोपड़ा को किस कर शमिता की लाइफ में आया था बवंडर

द टेनेंट एक्ट्रेस शमिता शेट्टी इन दिनों आए दिन सुर्खियां बटोर रही हैं। उन्होंने साल 2000 में आई फिल्म मोहब्बतें से डेब्यू किया था। इसी मूवी को लेकर एक्ट्रेस ने एक किस्सा सुनाया है, जब इसके एक किसिंग सीन की वजह से उनकी पर्सनल लाइफ में भूचाल आ गया था।

एक्ट्रेस शमिता शेट्टी को तो आप सभी जानते हैं। शिल्पा शेट्टी की बहन होने के अलावा उनकी एक अलग पहचान है। वह बिग बॉस ओटीटी का तो हिस्सा रही ही थीं। साथ ही उन्होंने बिग बॉस 15 में भी अपनी आवाज से अच्छे-अच्छों को मात दे दी थी। हाल ही में वह फिल्म द टेनेंट में नजर आई थीं। इसमें इनके अलावा शीबा चड्ढा और अतुल श्रीवास्तव जैसे दिग्गज कलाकार थे। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में बताया कि रियलिटी शो के बाद उनकी लाइफ कैसे बदवाल आए। फैन बेस में क्या अंतर देखने को मिला। इतना ही नहीं, उन्हें इस बात की खुशी भी है कि लोगों ने उन्हें जाना कि वह निजी जिंदगी में भी आखिर कैसी हैं।

शमिता शेट्टी ने साल 2000 में आई आदित्य चोपड़ा की डायरेक्शनल डेब्यू फिल्म मोहब्बतें से अपने एक्टिंग पारी की शुरुआत की थी। अपने बीते दिनों में हुए धमाकों को याद करते हुए एक्ट्रेस ने जूम को दिए इंटरव्यू में बताया, मुझे वो समय एकदम अच्छे से याद है क्योंकि मेरे पापा ने मुझसे बात करना बंद कर दिया था सिर्फ एक किस की वजह से। उन्होंने मुझसे एक महीने तक बात नहीं की। मैं बहुत दुखी हो गई थी मैं उनके बहुत क्लोज थी। हालांकि वक्त बदला। इतने किसिंग सीन आपने उस वक्त कहां देखे होंगे? लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, ये सब हमारी इंडस्ट्री में इतना आम हो गया। पापा भी समझ गए थे, लेकिन उसके बाद मैंने कभी किसी को ऑन-स्क्रीन किस नहीं किया।

-शमिता शेट्टी ने ट्रोलिंग पर रखी राय

शमिता शेट्टी ने बताया कि उन्होंने उसके बाद स्टोरी पर ही ध्यान दिया और ये देखा कि किस उस स्क्रिप्ट के लिए जरूरी

सवाल किया गया। एक्ट्रेस ने हालांकि इस पर कुछ भी टीका-टिप्पणी करने से मना कर दिया लेकिन उन्होंने ये जरूर कहा- मैं ट्रोल्स को नजरअंदाज करती हूं। मैं कई बार कमेंट्स चेक करती हूं। जहां लोग मुझे लगाकार मेरी उम्र के बारे में याद दिलाते रहते हैं। शादी के बारे में पूछते हैं कि कब कर रही हो। लेकिन अब मैं उनको पढ़कर इग्नोर मार देती हूं।

-मेंटल हेल्थ पर बोलीं शमिता शेट्टी

शमिता शेट्टी ने बताया कि बिग बॉस ने उनकी लाइफ को काफी बदल दिया है। उसके बाहर आने के बाद उन्हें अपना खुद का फैन बेस मिला है, जो उनकी वजह से बना है। इसके अलावा एक्ट्रेस ने मेंटल हेल्थ के बारे में भी बात की। कहा कि वह मेडिटेट करती हैं। वह समय उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने बताया कि वह उस चीज को दिमाग में लंबे समय के लिए नहीं रखती हैं, जो उनको परेशान करता है। वह अपने व्यक्तित्व को खुलकर दिखाती हैं। क्योंकि वह अपने जीवन के कई बुरे दौर से गुजर चुकी हैं।

सिंगर सोनू निगम जब सोमवार को चेंबूर में लाइव कॉन्सर्ट में परफॉर्म कर रहे थे तो शिवसेना के एक विधायक के बेटे ने न सिर्फ उन्हें धक्का दिया बल्कि टीम मैनेजर के साथ बदतमीजी की। इस मामले में सोनू निगम ने देर का शिकायत दर्ज करवाई, जिसके बाद पुलिस ने विधायक के बेटे के खिलाफ केस दर्ज किया है।

सिंगर सोनू निगम संग हाथापाई मामले में विधायक के बेटे पर केस दर्ज

बीस फरवरी की शाम सिंगर सोनू निगम और उनकी टीम की शिवसेना के एक सदस्य के साथ हाथापाई हो गई, जिसमें सिंगर के दोस्त और बॉडीगार्ड रब्बानी घायल हो गए। रब्बानी फिलहाल अस्पातल में भर्ती हैं। इस घटना के तुरंत बाद ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई थी। अब इस मामले में पुलिस ने एक अज्ञात शख्स के खिलाफ केस दर्ज किया है। हालांकि पुलिस ने इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं की है। मालूम हो कि चेंबूर इलाके में अपनी टीम के साथ लाइव कॉन्सर्ट में परफॉर्म कर रहे थे। आरोप है कि तभी स्थानीय विधायक सोनू निगम की टीम मैनेजर सायरा के साथ बदतमीजी करने लगा। विधायक का बेटा सेल्फी लेने के लिए स्टेज पर चढ़ गया और सिंगर की मैनेजर को वहां से हटने के लिए कहने लगा। वहीं जब सोनू निगम स्टेज से नीचे उतरने लगे तो पहले तो उसने उनके बॉडीगार्ड रब्बानी को धक्का दिया और फिर सिंगर को। इस चक्कर में रब्बानी को कई चोटें आईं।

-सोनू निगम ने बताया पूरा वाकया

इस मामले में सोनू निगम ने एएनआई से बात करते हुए कहा, कॉन्सर्ट के बाद मैं स्टेज से नीचे उतर रही थी कि एक आदमी ने मुझे पकड़ लिया। फिर उसने हरि और रब्बानी को धक्का दिया जो मुझे बचाने आए थे। फिर मैं सीढ़ियों पर गिर पड़ा। अगर लोहे की कुछ छड़ें पड़ी होतीं तो आज रब्बानी की मौत हो सकती थी। उन्हें इस तरह से धक्का दिया गया... आप वीडियो में देख सकते हैं... यहां तक कि मैं भी गिरने वाला था।

-सोनू निगम ने इसलिए दर्ज करवाई शिकायत

सोनू निगम ने इस मामले में उन लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई, जिन्होंने उन्हें धक्का दिया था। इस पर वह बोले, मैंने शिकायत इसलिए दर्ज करवाई ताकि लोग समझें और सोच सकें कि जबरदस्ती सेल्फी या तस्वीर क्लिक करने के क्या परिणाम हो सकते हैं। जब वो जबरदस्ती ऐसा कुछ करने की कोशिश करते हैं तो हंगामा होता है, धक्का मुक्की होती है। लोगों का अहंकार बाहर निकलता है।

-सोनू निगम पर हमले का वीडियो वायरल

सोनू निगम पर हमले का वीडियो एक यूजर ने ट्विटर पर शेयर किया। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि जब सोनू निगम स्टेज से नीचे उतर रहे हैं तो कुछ लोग उन्हें धक्का दे रहे हैं। इनमें से एक स्टेज से नीचे गिर गया। यह वीडियो तुरंत ही वायरल हो गया। वहीं सोनू निगम के बॉडीगार्ड और दोस्त-हरि और रब्बानी को तुरंत ही अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

-देर रात थाने पहुंचे सिंगर और विधायक प्रकाश फटेरपेकर

वहीं पुलिस ने बताया कि सिंगर सोनू निगम की शिकायत के आधार पर आईपीसी की धारा 323, 341 और धारा 337 के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। सोमवार देर रात सोनू निगम शिकायत दर्ज करवाने चेंबूर थाने पहुंचे। उनके कुछ देर बाद ही विधायक प्रकाश फटेरपेकर भी थाने पहुंचे। सोनू निगम की शिकायत के आधार पर विधायक प्रकाश फटेरपेकर के बेटे के खिलाफ शिकायत दर्ज कर ली गई।

अगली फिल्म का नाम जवान क्यों है? शाहरुख ने किया खुलासा

एक्शन एंटरटेनर फिल्म पठान के ब्लॉकबस्टर साबित होने के बाद सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म जवान की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने एटली द्वारा निर्देशित अपनी आगामी फिल्म के शीर्षक के पीछे एक प्रफुल्लित करने वाला कारण बताया। सोमवार को शाहरुख ने अपने फैन्स के साथ सवाल-जवाब का सेशन रखा। एक यूजर ने कहा कि स्टार के खिलाफ यह कहने के लिए एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए कि वह 57 साल के हैं। प्रशंसक ने अभिनेता की बॉडी को फ्लॉन्ट करते हुए एक तस्वीर भी साझा की। इस पर शाहरुख ने जवाब दिया, प्लीज मत करो यार। ठीक है, मैं ही मान जाता हूं, मैं 30 साल का हूं। अब मैंने तुम्हें सच बता दिया है और इसलिए मेरी अगली फिल्म का नाम भी जवान है। एक प्रशंसक ने उनसे उनकी किताब के बारे में पूछा तो उन्होंने जवाब दिया, अभी नहीं, लेकिन जब मैं जवान और डंकी की अंतिम शूटिंग पूरी कर लूंगा, तो मैं इस पर वापस आऊंगा। शाहरुख ने कहा, गौरी का दिल और दिमाग सबसे सरल है। उन्होंने हम सभी को परिवार और प्यार की अच्छाई में विश्वास दिलाया है। उन्होंने एक प्रसंसक को जवाब देते हुए बताया, हां, मैं बिना कुछ किए बहुत समय बिताता हूं.. यह उन चीजों के लिए दिमाग को साफ करता है जिन्हें मुझे बाद में करने की जरूरत है। बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान ने कहा कि वह अभिनय से कभी संन्यास नहीं लेंगे- उन्हें बॉलीवुड से निकालना होगा! शाहरुख ने सोमवार को अपने प्रशंसकों के साथ सवाल-जवाब सत्र का आयोजन किया, जहां एक ने उनसे पूछा कि उनके रिटायर होने के बाद अगली बड़ी चीज कौन होगी। शाहरुख ने जवाब दिया- मैं अभिनय से कभी संन्यास नहीं लूंगा..मुझे निकाल दिया जाएगा..और शायद तब भी मैं और बेहतर तरीके से वापसी करूंगा!! इस बारे में बात करते हुए कि उन्होंने पहली बार खुद को स्क्रीन पर कब देखा था, स्टार ने कहा मुझे खुद को स्क्रीन पर देखकर अजीब लगता है।

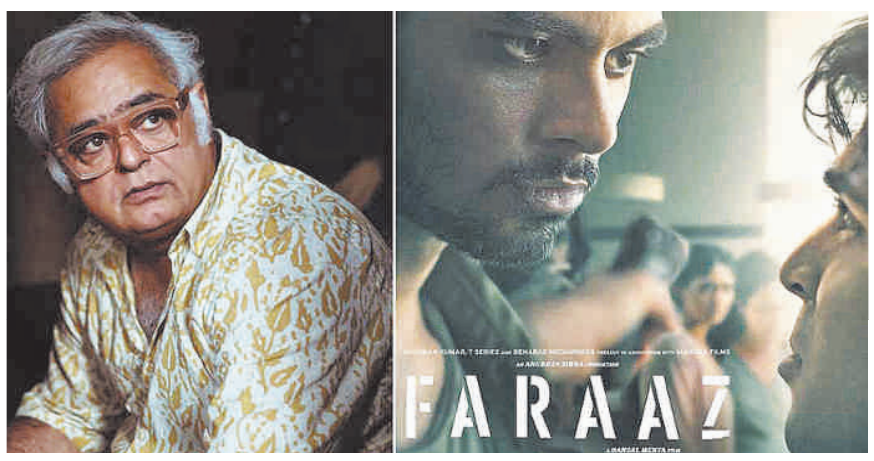

बांग्लादेश में हाईकोर्ट ने हंसल मेहता की फराज की रिलीज पर लगाई रोक

बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने सोमवार को भारतीय फिल्म निर्माता हंसल मेहता द्वारा निर्देशित फिल्म फराज के देश के सिनेमा हॉल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर प्रचार और स्क्रीनिंग पर रोक लगा दी। 2016 में ढाका कैफे को तबाह करने वाले वास्तविक जीवन के आतंकवादी हमले के आधार पर फराज का निर्माण किया गया है जिसमें जूही बब्बर, आमिर अली, जहान कपूर और आदित्य रावल शामिल हैं। एक रिट याचिका पर सुनवाई के बाद, न्यायमूर्ति एमडी खसरुज्जमां और एमडी इकबाल कबीर की उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने बांग्लादेश में फिल्म की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया। 1 जुलाई 2016 को होली आर्टिसन कैफे पर हुए हमले में आतंकवादियों द्वारा मारे गए अबिंता कबीर की मां रूबा अहमद ने रिट याचिका दायर की थी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव को रिट याचिका में प्रतिवादी बनाया गया। फिल्म को अभी बांग्लादेश फिल्म सेंसर बोर्ड से मंजूरी मिलनी बाकी है। 19 जनवरी को रूबा अहमद ने बांग्लादेश में फिल्म की रिलीज को रोकने के लिए मांग उठाई थी और दावा किया था कि इससे बांग्लादेश की प्रतिष्ठा धूमिल हो सकती है। ढाका ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक, बाद में याचिकाकर्ता के वकील अहसानुल करीम ने कहा कि याचिका बांग्लादेश के सिनेमाघरों के साथ-साथ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी फिल्म को प्रदर्शित करने से रोकने के लिए दायर की गई । ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, करीम ने कहा- फिल्म के फुटेज में दो आतंकवादियों को बात करते हुए दिखाया गया है, जिनमें से एक का अबिंता के साथ संबंध था या है। उनके पहनावे को इस तरह दिखाया गया था कि हमारे सभ्य समाज में पढ़े-लिखे परिवार कभी नहीं पहनेंगे। फिल्म में लड़की के किरदार को नीचा दिखाया गया था। करीम ने कहा, इसके अलावा, फिल्म में कानून प्रवर्तन अधिकारियों की विफलता को दिखाया गया है, जो हमारी संप्रभुता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

काली पोस्टर विवाद में लीना मणिमेकलई को बड़ी राहत

काली पोस्टर विवाद को लेकर हाल ही में एक बड़ी खबर सामने आई है। इस विवाद में फंसी फिल्म निर्माता लीना मणिमेकलई की गिरफ्तारी पर कोर्ट ने रोक को बरकरार रखा है। इसके साथ ही कोर्ट ने ये भी कि जिन राज्यों ने अभी तक अपना जवाब दाखिल नहीं किया है, वो जवाब दाखिल करें। पिछले महीने भी सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म निर्माता को राहत देते हुए रोक लगाई थी और सुनवाई के लिए आज की तारीख यानि 20 अगस्त दी थी। पिछली सुनवाई में लीना मणिमेकलाई की वकील कामिनी जायसवाल ने कहा था कि लीना एक प्रसिद्ध फिल्ममेकर हैं। उनके खिलाफ 6 मुकदमे दर्ज हैं, जिसमें यूपी, एमपी, उत्तराखंड, दिल्ली में कुल 6 मुकदमें दर्ज कराए गए हैं। लुक आउट सर्कुलर जारी किया गया है। लीना मणिमेकलाई ने अपने खिलाफ कई राज्यों में दर्ज मुकदमों को रद्द करने की मांग की है। बता दें लीना मणिमेकलई ने डॉक्यूमेंट्री काली के पोस्टर में देवी काली को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया था। इसके साथ ही एक हाथ में एलजीबीटीक्यू का झंडा और एक हाथ में त्रिशूल था। इस पोस्टर के सामने आते ही बवाल मच गया था। कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुए और लीना डॉक्यूमेंट्री पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का आरोप लगा। इसके बाद से ही लीना विवादों में घिर गई थीं।

सान्वी तलवार की 3 साल बाद टीवी पर वापसी

अभिनेत्री सान्वी तलवार तीन साल के अंतराल के बाद अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल शो के साथ टीवी पर वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री को ओ गुजरिया, ये कहां आ गए हम, विक्रम बेताल की रहस्य गाथा, सूफियाना प्यार मेरा, कबूल है और कई अन्य शो में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। उनका आखिरी शो चंद्र नंदिनी था। काम से अपने ब्रेक के बारे में बात करते हुए, सान्वी ने कहा- अपने आखिरी शो के बाद मैंने थिएटर करने के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया। मैं हमेशा से थिएटर करना चाहती थी और मैं कभी भी किसी एक्टिंग स्कूल में नहीं गई और न ही प्रशिक्षण लिया। इसलिए आखिरकार, जब मुझे मौका मिला मैंने लोकप्रिय थिएटर अकादमी, स्टेला एडलर एक्टिंग थिएटर के लिए आवेदन किया, जो कि यूएसए में 75 साल पुरानी थिएटर अकादमी है। उन्होंने कहा- मेरा मानना है कि हमारे जीवन में हर चीज का विशेष महत्व है, इसलिए जब जीवन आपको कुछ नया सीखने का मौका देता है, तो आपको इसे लेना चाहिए। मेरे जीवन के ये तीन साल निश्चित रूप से मेरे लिए फलदायी रहे हैं और मैं इससे खुश हूं। अपनी वापसी के बारे में सान्वी ने कहा- काम से तीन साल के विश्राम के बाद, मैं फ्रेम में वापस आ गई हूं। मैंने एक नया शो अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल साइन किया है और मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही हूं। कहानी इतनी दमदार है कि इसने मुझे शो लेने के लिए प्रेरित किया। अभिनेत्री ने कहा, दर्शक इस शो में मेरा एक अलग रंग देखने वाले हैं और मुझे यकीन है कि वह मुझे इस किरदार में पसंद करेंगे। मैं टीवी पर अपनी वापसी को लेकर काफी उत्साहित हूं।

ब्लैक शर्ट और गोल्डन स्कर्ट में मौनी का हॉट लुक

बेड पर बैठ हसीना ने दिए कातिलाना पोज एक्ट्रेस मौनी रॉय सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस फैंस के साथ तस्वीरें और वीडियोज शेयर करती रहती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी कुछ हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस का ध्यान खींच रही हैं। लुक की बात करें तो मौनी रॉय ब्लैक शर्ट और गोल्डन स्कर्ट में नजर आ रही है। मिनिमल मेकअप और ओपन हेयर्स से एक्ट्रेस ने अपने लुक को कम्पलीट किया हुआ है। इस लुक में एक्ट्रेस हॉट लग रही है। मौनी बेड पर बैठकर कातिलाना अंदाज में पोज दे रही है। मौनी की इन तस्वीरों पर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं। काम की बात करें तो मौनी को आखिरी बार फिल्म ब्रह्मास्त्र में देखा गया था। फिल्म में मौनी के रोल को काफी पसंद किया गया। इसके अलावा मौनी हनी सिंह के साथ गाने गतिविधि में नजर आई थी, जिसे लोगों ने खूब प्यार दिया।

11 साल बाद फिल्मों की दुनिया में लौटी यह टॉप एक्ट्रेस

90 के दशक के कई एक्टर्स ऐसे रहे हैं, जिन्होंने अपनी एक्टिंग से बड़े पर्दे पर अपना जादू बिखेरा और वह जादू आज भी बरकरार है। उस जमाने की कई एक्ट्रेस हैं, जो आज भी पॉपुलर हैं और वह फिल्म इंडस्ट्री या ओटीटी पर काम भी कर रही हैं। वहीं, कुछ हीरोइन ऐसी हैं, जिन्होंने लंबे समय के बाद एक्टिंग की दुनिया में एक बार फिर कदम रखा। आज हम आपको ऐसी ही एक एक्ट्रेस के बारे में बताने जा रहे हैं, जो 11 साल बाद फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। हम बात कर रहे हैं 90 के दशक की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस और कपूर खानदान की बड़ी बेटी करिश्मा कपूर की। करिश्मा अपने जमाने की टॉप क्लास एक्ट्रेस रह चुकी हैं। फिल्मी खानदान से होने के बावजूद उन्होंने अपने टैलेंट के दम पर इंडस्ट्री में नाम और पहचान बनाई, जिसे लोग आज भी देखना पसंद करते हैं। हालांकि, शादी के बाद इन्होंने बॉलीवुड में काम करने से लंबे समय के लए दूरी बना ली थी, लेकिन एक्टिंग अब भी इनके जहन में जिंदा था। एक्ट्रेस ने 2012 में डेंजरश इश्क से कमबैक किया था। हालांकि, यह फिल्म चली नहीं लेकिन करिश्मा के लिए दोबारा से एक्टिंग के रास्ते जरूर खुल गए हैं। इस मूवी के बाद एक्ट्रेस मर्डर मुबारक में दिखाई देने वाली हैं। होमी अदजानिया द्वारा निर्देशित यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज होगी, जिसके लिए करिश्मा ने शूटिंग शुरू कर दी है। इसके पहले उन्हें करिश्मा कोहली के वेब शो मेंटलहुड में देखा गया था।

महिला टी20 विश्व कप: पहले सेमीफाइनल में आज होगा भारत और ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला

केपटाउन (एजेंसी)। आईसीसी महिला टी20 विश्वकप के पहले सेमीफाइनल में गुरुवार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का सामना ऑस्ट्रेलियाई टीम से होगा। इस मैच में भारतीय टीम को जीत दर्ज करने के लिए बेहतर प्रदर्शन करना होगा। अभी तक भारतीय टीम की बल्लेबाजी में निरंतरता की कमी रही है। भारतीय टीम के रिकार्ड को देखें तो इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नॉकआउट मैचों में उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने पिछले टी20 विश्व कप फाइनल में भारतीय टीम को हराया था। इस बार हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में टीम पिछली असफलताओं को भुलाकर उतरेगी। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में अब तक चार में से तीन मैचों में जीत मिली है पर उसकी किसी भी जीत को प्रभावी नहीं कहा जा सकता, यहां तक कि आयरलैंड के खिलाफ जीत के लिए भी उसे संघर्ष करना पड़ा था। टीम को एक मुकाबले में इंग्लैंड से हार मिली। अभी तक भारत ने टूर्नामेंट में जिस तरह का खेल दिखाया है, उसे यह उम्मीद है कि इस अहम मुकाबले में सभी खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी। साथ ही उम्मी है कि टीम किसी तरह से इस बड़े मैच से पहले अपनी सभी समस्याओं से छुटकारा पा ले। टीम की जीत के लिए कप्तान हरमनप्रीत के अलावा स्मृति मंधाना सहित सभी बल्लेबाजों को रन बनाने होंगे।

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने तीन साल पहले अपना अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था और उससे टीम को अच्छी शुरुआत की उम्मीद है पर स्ट्राइक रोटेट नहीं कर पाना और शॉर्ट गेंद के खिलाफ कमजोरियां उसे भारी पड़ सकती है। कप्तान हरमनप्रीत भी अब तक उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पायी हैं। वह उन कुछ बल्लेबाजों में शामिल हैं जो गेंद को लंबी दूरी तक हिट कर सकती हैं।

बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने अभी तक टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है पर टीम को उनके इससे कहीं ज्यादा की उम्मीद है। स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना निरंतर बल्लेबाजी करने वाली खिलाड़ियों में शामिल रही हैं और एक बार फिर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम के लिये सबसे अहम रहेंगी। दूसरी ओर मेग लैनिंग की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 मैचों में लगातार 22 मैच जीतकर सेमीफाइनल तक पहुंची है और वह बड़े मैचों में अपने खेल को शीर्ष स्तर तक पहुंचाने के लिये जानी जाती है।

ऑस्ट्रेलिया मार्च 2021 में न्यूजीलैंड से एक टी20 मैच खोने के बाद किसी भी प्रारूप में केवल दो अधिकारिक मैच ही हारीहैं और ये दोनों हार उसे भारत के खिलाफ मिली हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दिसंबर में मुंबई में हुई श्रृंखला में 4-1 से जीत हासिल की थी। गेंदबाजी की बात करें तो तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर टूर्नामेंट में भारत की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रही हैं जिन्होंने अभी तक सात विकेट लिए हैं। रेणुका ने इंग्लैंड के खिलाफ 15 रन देकर पांच विकेट लिए थे।

दीप्ति शर्मा ने आयरलैंड के खिलाफ अपने एक ओवर में काफी रन दिये पर वह स्पिन विभाग में सबसे निरंतरता वाली गेंदबाज रही हैं। पूजा वस्त्राकर, राजेश्वरी गायकवाड़ और राधा यादव को मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अधिक सटीक गेंदबाजी करनी होगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया की सलामी बल्लेबाज बेथ मूनी को भारत के साथ रोमांचक मुकाबले की उम्मीद है।

महिला विश्व चैम्पियनशिप में दिखेंगी सात ओलंपिक पदक विजेता मुक्केबाज

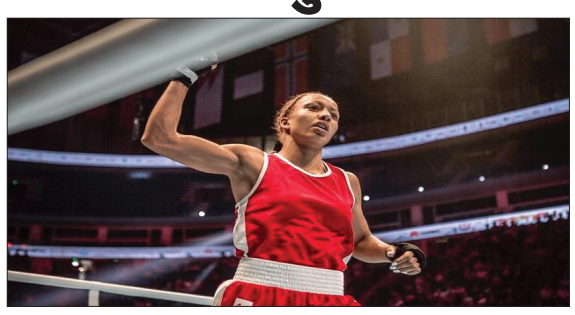

नई दिल्ली (एजेंसी)। रियो ओलंपिक की स्वर्ण पदक विजेता एस्टेली मूसेली और तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता नेस्थी पेटेसियो 15 से 26 मार्च तक यहां चलने वाली महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में भाग लेने वाली कई शीर्ष मुक्केबाजों में शामिल होंगी। इंदिरा गांधी खेल परिसर में होने वाली इस प्रतियोगिता में अभी तक 74 देशों की 350 मुक्केबाजों ने पंजीकरण कराया है जिसमें सात ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं।

इन सात ओलंपिक पदक विजेताओं में से तीन तोक्यो ओलंपिक की हैं। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, ''भारत और बीएफआई के लिये प्रतिष्ठित आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप की मेजबानी करना सम्मान की बात है। हम तीसरी बार इसकी मेजबानी कर रहे हैं लेकिन इस बार यह टूर्नामेंट बड़ी ऊंचाईयां छुएगा।'

सिंह ने कहा कि मुक्केबाजों की संख्या को देखते हुए यह पिछले चरण से बड़ा टूर्नामेंट साबित होगा। उन्होंने कहा, ''पिछली विश्व चैम्पियनशिप में 310 मुक्केबाजों ने हिस्सा लिया था। इस चरण में हमारे पास अभी ही 350 से ज्यादा मुक्केबाजों के पंजीकरण हो चुके हैं। एक हफ्ते का समय बचा है। मुझे भरोसा है कि कुछ और देश और मुक्केबाज चैम्पियनशिप के इस चरण में हिस्सा लेंगे।'

पेटेसियो ने तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीता था और वह फिलीपींस के लिये खेलों में पदक जीतने वाली पहली मुक्केबाज बनी थीं। 2019 विश्व चैम्पियन फेदरवेट (57 किग्रा) वर्ग में हिस्सा लेगी। ब्राजील की बिट्रीज लास्मिन फरेरा (60 किग्रा) और चीन की कियान ली (75 किग्रा) भी तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीत चुकी हैं। जापान की सुकिमी नामिकी और कोलंबिया की इंग्रिट लॉरेना वालेंसिया फ्लाईवेट (51 किग्रा) में विश्व चैम्पियनशिप जैसा प्रदर्शन बरकरार रखना चाहेंगी। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता इर्मा टेस्टा भी फेदरवेट (57 किग्रा) की मजबूत पदक दावेदार हैं।

दक्षिण अफीका महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में, बांग्लादेश को 10 विकेट से हराया

केपटाउन (एजेंसी)। लौरा वॉलवार्ट और तजमीन ब्रिट्स के नाबाद अर्धशतकों तथा पहले विकेट के लिये 117 रन की अटूट साझेदारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को यहां बांग्लादेश को 10 विकेट से रौंदकर आईसीसी महिला टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। दक्षिण अफ्रीका की टीम इस तरह शुक्रवार को यहां होने वाले दूसरे सेमीफाइनल में ग्रुप दो के शीर्ष पर रहने वाली इंग्लैंड से भिड़ेगी। इंग्लैंड ने अभी कोई मैच गंवाया नहीं है। दक्षिण अफ्रीका ग्रुप एक में गत चैम्पियन आस्ट्रेलिया के पीछे रही जिसने अपने सभी चारों मैच जीते थे।

दक्षिण अफ्रीका, न्यूजीलैंड और श्रीलंका ने अपने ग्रुप के मैच खत्म होने के बाद चार चार अंक हासिल किये। लेकिन तीनों टीमों में मेजबान का नेट रन रेट +0.738 बेहतर रहा जिससे वह सेमीफाइनल में पहुंची। न्यूजीलैंड और श्रीलंका का नेट रन रेट क्रमशः +0.138 और - 1.460रहा। सुने लुस की अगुआई वाली टीम इस तरह अपनी सरजमीं पर आयोजित हुए आईसीसी विश्व कप के अंतिम चार में पहुंचने वाली पहली दक्षिण अफ्रीकी टीम - पुरूष या महिला, जूनियर या सीनियर - बन गयी। वोलवार्ट (56 गेंद में नाबाद 66 रन) और ब्रिट्स (51 गेंद में नाबाद 50 रन) ने अपनी टीम के लिये टूर्नामेंट में पहले अर्धशतक जमाये जिससे दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश द्वारा दिया गया 114 रन का लक्ष्य 13 गेंद रहते हासिल कर लिया। मेजबान टीम मंगलवार को 17.5 ओवर में बिना विकेट गंवाये 117 रन बनाकर सेमीफाइनल में पहुंची। इससे पहले बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया, उसके लिये कप्तान निगार सुल्ताना 30 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहीं।

आईसीसी रैकिंग में नंबर एक पर पहुंचे एंडरसन , अश्विन, जडेजा शीर्ष दस में शामिल

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर आश्विन आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गये है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैचों में अच्छे प्रदर्शन का लाभ अश्विन को मिला है ओर वह एक स्थान ऊपर आये हैं। वहीं भारत के ही रविन्द्र जडेजा सात स्थानों की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गये हैं। जडेजा ने भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दोनो मैचों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। जडेजा ने दूसरे टेस्ट में 10 विकेट लिए थे। वह तीन साल बाद शीर्ष दस में पहुंचे हैं। इससे पहले सितंबर 2019 में भी वह शीर्ष दस में पहुंचे थे। जडेजा के अलावा जसप्रीत बुमराह भी शीर्ष 10 में बने हैं। काफी समय से टीम से बाहर होने के बाद भी बुमराह पांचवें स्थान पर बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के 40 साल के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन सूची में शीर्ष पर हैं।एंडरसन ने 866 रेटिंग अंक के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 858 को पछाड़कर पहला स्थान हासिल कर लिया। एंडरसन यह उपलब्धि 40 वर्ष 207 दिन की उम्र में हासिल करके शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज गेंदबाज बन गए। वहीं कमिंस दो स्थान के नुकसान के साथ ही तीसरे स्थान पर फिसल गये हैं। भारत के अश्विन 864 रेटिंग अंक के साथ दूसरी रैंक पर आ गए हैं और एंडरसन से सिर्फ दो अंक पीछे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर कायम हैं, स्टीव स्मिथ दूसरे और पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं। भारतीय टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कार दुर्घटना के बाद से ही खेल से बाहर हैं पर वह छठे स्थान पर बने हैं जबकि कप्तान रोहित शर्मा सातवें नंबर पर हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप 23वें, हैरी ब्रुक 31वें और बेन डकेट 38वें के अलावा न्यूजीलैंड के टॉम ब्लंडेल ने 11वें और डेवोन कॉनवे ने 17वें स्थान हासिल किया है।

वहीं आल राउंडर सूची में भारत के अक्षर पटेल शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दोनो मैचों में शानदार बल्लेबाजी और गेंदबाजी की थी। ऑलराउंडरों में जडेजा और अश्विन शीर्ष पर हैं। जडेजा ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के बल पर आईसीसी की टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 460 रेटिंग हासिल कर ली। टेस्ट ऑलराउंडरों की सूची में जडेजा और अश्विन 329 के साथ ही पहले और दूसरे स्थान पर विराजमान हैं, जबकि अक्षर पटेल 283 अंक लेकर दो पायदान के साथ ही ही इनके पीछे हैं।

आईपीएल से पहले कार्तिक ने खेली आक्रामक पारी

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने अगले माह होने वाले आईपीएल से ठीक पहले डीवाई पाटिल टी20 टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। कार्तिक ने केवल 38 गेंदों में ही 75 रन बनाये थे। इस दौरान इस बल्लेबाज ने अपनी पारी में पांच चौके और छह छक्के लगाये थे। कार्तिक की पारी से उनकी टीम डीवाई पाटिल ग्रुप बी ने 20 ओवरों में छह विकेट के नुकसान पर 186 तक बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए आरबीआई की टीम सात विकेट के नुसान पर 161 पर ही बना पाई और मैच हार गयी। कार्तिक इससे पहले तमिलनाडु की ओर से सौराष्ट्र के खिलाफ रणजी मैच खेलने भी उतरे थे पर वह पूरा सत्र नहीं खेल पाये थे। अभी दिनेश कार्तिक कमेंट्री कर रहे हैं। कार्तिक अब इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के इस सत्र में भी खेलेंगे। यह 31 मार्च से शुरू होगा। कार्तिक ने पिछले सत्र में भी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) की ओर अच्छा शानदार प्रदर्शन किया था।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम जीत सकती है विश्वकप : रोड्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी जोंटी रोड्स ने कहा है कि भारतीय टीम इस साल अपनी ही धरती पर होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को जीत सकती है। भारतीय टीम ने इससे पहले साल 2011 में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी में विश्वकप जीता था। इसके बाद टीम 2015 और 2019 में विफल रही थी। अब भारत विश्व कप की मेजबानी करने जा रहा है और ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा की टीम के पास जीत का अच्छा अवसर है। उन्हें कहा कि भारत के पास एक और ट्रॉफी जोड़ने का अच्छा मौका है। रोड्स की यह भविष्यवाणी सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी है। वहीं दूसरी ओर भारतीय टीम अपनी धरती पर जिस अंदाज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेल रही है। उससे उनकी भविष्यवाणी सही होती दिख रही है। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम मैच विजेता खिलाड़ियों से भरी हुई है। कप्तान रोहित शर्मा, पूर्व कप्तान विराट कोहली, 360 डिग्री बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर जबरदस्त फॉर्म में हैं तो युवा शुभमन गिल और ईशान किशन ने भी अपने को साबित किया है। वहीं दूसरी ओर, उपकप्तान हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। तेज गेंदबाजी विभाग में मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह, जबकि स्पिन में युजवेंद्र चहल और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी भारत के पास हैं। टीम इंडिया का हर खिलाड़ी अहम साबित हो सकता है। इससे पहले भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी जीत दर्ज की थी।

भारतीय टीम को बचे हुए मैचों में पूरी गंभीरता से खेलना होगा : गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा की टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचे हुए दोनो मैचों में भी पूरी गंभीरता से खेलना होगा। गंभीर ने कहा कि अभी यह नहीं कहा जा सकता है कि भारतीय टीम 4-0 से सीरीज जीतेगी हालांकि इस बार ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख बल्लेबाजों के असफल होने से उसके पास अच्छा अवसर है। साथ ही कहा कि मेहमान टीम को सीरीज में वापसी करने के लिए एक टीम के रूप में बेहतर प्रदर्शन करने की जरुरत रहेगी।

गंभीर ने कहा कि आपको वैसी ही बल्लेबाजी करनी होगी जैसी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ ने की थी। तब लक्ष्यमण ने दोहरा शतक जबकि द्रविड़ ने शतक लगाया था। इन दोनो के बीच उस समय पांचवें विकेट के लिए 376 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी हई थी। इन दोनो की ही इस रिकार्ड साझेदारी से भारतीय टीम हार से बची थी।

वहीं भारतीय टीम ने वर्तमान में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले दो मैच जीत लिए हैं और वह सीरीज में 2-0 से आगे है। अब बचे हुए दो मैच इंदौर और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। इनमें से भारतीय टीम अगर एक मैच भी जीत जाती है तो उसे लगातार दूसरी बार विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के जगह मिल जाएगी।

गंभीर ने कहा कि जब उसे मैच में भारतीय टीम हार रही थी तब द्रविड़ और लक्ष्मण ने रिकार्ड साझेदारी कर उसे बचाया था। उसी प्रकार का खेल इस भारतीय टीम को भी खेलना होगा।

महिला प्रीमियर लीग में यूपी वारियर्स की कप्तानी करेंगी हीली

मुम्बई (एजेंसी)। यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट (डब्ल्यूपीएल) के लिए आक्रामक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज एलिसा हीली को कप्तान बनाया है। यूपी वारियर्स ने नीलामी में हीली सहित 6 विदेशी खिलाड़ियों को अपनी टीम में शामिल किया था।

हीली ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 139 मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने एक शतक और 14 अर्धशतक के साथ 2,500 के करीब रन बनाए हैं। वह टी20आई की सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर बल्लेबाजों में से एक मानी जाती हैं।

हीली सबसे बड़े चरणों के लिए अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को आरक्षित करने के लिए जानी जाती है। हीली ने श्रीलंका के खिलाफ 61 गेंदों में नाबाद 148 रन बनाकर महिला टी20आई में पारी में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 5 बार महिला टी20 विश्व कप जीता है।

इस खिलाड़ी ने अपने शानदार करियर में दो बार महिला एकदिवसीय विश्व भी जीता है। साल 2018 में हीली को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद आईसीसी टी20 प्लेयर ऑफ द ईयर का अवार्ड भी मिला था। 2020 में हीली एमसीजी में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप फाइनल जीत में प्लेयर ऑफ द मैच थी। हीली ने यूपी वारियर्स की कप्तानी मिलने पर कहा, मुंबई में खेले जाने वाले ऐतिहासिक डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन संस्करण में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी करने का मौका पाकर मैं बहुत खुश हूं। डब्ल्यूपीएल एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसका हम सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और यूपी वॉरियर्स के पास एक शानदार टीम है। एक बार चीजें शुरू होने के बाद धूम मचाने का इंतजार कर रहे हैं। हमारे पास क्षमता के साथ-साथ अनुभव और युवाओं का अच्छा मिश्रण है और हम अपने प्रशंसकों के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए उत्सुक हैं।

भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने उलटफेर किया, विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन को हराया

चेन्नई : भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने प्रो शतरंज लीग के मैच में नार्वे के मौजूदा विश्व चैम्पियन मैग्नस कार्लसन को हराकर उलटफेर किया। इस तरह वह कार्लसन पर जीत दर्ज करने वाले चौथे भारतीय बन गए। यह कार्लसन पर उनकी पहली जीत है। 'इंडियन योगीज' के लिये खेलते हुए गुजराती ने दुनिया के नंबर एक कार्लसन द्वारा की गयी गलतियों का पूरा फायदा उठाया। कार्लसन 'कनाडा चेसब्रास' की ओर से 'प्रो शतरंज लीग' में खेल रहे हैं। दुनिया भर की टीमों के लिये इस ऑनलाइन टूर्नामेंट में 16 टीमें रैपिड गेम खेल रही हैं। गुजराती (28 वर्ष) ने काले मोहरों से खेलते हुए जीत हासिल की और अपने प्रतिद्वंद्वी पर तकनीकी रणनीति से जीत हासिल की। गुजराती ने पांच बार के मौजूदा विश्व चैम्पियन कार्लसन पर जीत के बाद कहा, ''शतरंज के 'गोट' (ग्रेटेस्ट ऑफआल टाइम–जीओएटी, सर्वकालिक महान खिलाड़ी) को हराना शानदार अहसास है और मैं इससे बेहतर पल की उम्मीद नहीं कर सकता था।'' इस तरह कार्लसन को हराने के बाद वह साथी भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रागनानंदा, डी गुकेश और अर्जुन एरिगेसी की जमात में शामिल हो गये। उनसे पहले इन तीनों भारतीयों ने 2022 में विभिन्न प्रतियोगिताओं में नार्वे के सुपरस्टार पर जीत हासिल की थी। प्रो शतरंज लीग के मैच में गुजराती की अगुआई वाली भारतीय टीम में वैशाली, रौनक और अरोनयाक शामिल हैं जिन्होंने फाइनल दौर से पहले कार्लसन, आर्यन तारी, रजवान प्रेयोटू और जेनिफ्रि यू पर जीत दर्ज की। प्रारूप के अनुसार जो टीम सबसे पहले 8.5 अंक हासिल करती है, वो मैच जीत जाती है। इंडियन योगीज ने चारों बोर्ड में जीत हासिल की।

हमने सानिया पर जीत के लिए कभी दबाव नहीं बनाया: पिता और कोच इमरान मिर्जा

दुबई (एजेंसी)। इस बात पर यकीन नहीं होता कि सानिया को पहली बार टेनिस रैकेट थामे हुए 30 साल हो गए हैं। निश्चित तौर पर वह अभूतपूर्व प्रतिभा की धनी थी और मुझे यह समझने में ज्यादा समय नहीं लगा। मैं जब युवावस्था में था तब मैंने क्लब स्तरीय टेनिस और राज्य रैंकिंग टूर्नामेंट में ही हिस्सा लिया था लेकिन जब मैं स्कूल में था तभी से इस खेल का बेहद करीब से अनुकरण और विश्लेषण करता था। मैं कभी बहुत अच्छा टेनिस खिलाड़ी नहीं रहा लेकिन मेरा मानना है कि इस खेल के लिए मेरे पास पारखी नजर और विश्लेषणात्मक दिमाग था।

सानिया की किस्मत में उस खेल में नाम और शोहरत कमाना लिखा था जिसे वह प्यार करती थी। टेनिस टूर पर कई प्रसिद्ध प्रशिक्षकों ने मुझे निजी तौर पर बताया कि जिस तरह खुदा ने सानिया को टेनिस में प्रचुर प्रतिभा का तोहफा दिया था, उसी तरह उन्होंने मुझे भी उनकी टेनिस प्रतिभा और स्वभाव को विकसित करने के लिए खेल को देखने और समझने की शक्ति प्रदान की थी। खुदा ने मेरी पत्नी को भी बहुत ही विशेष कौशल दिया जिसने हमारी बेटी के इस खेल में एक पेशेवर करियर बनाने में पूरक का काम किया।

मेरे परिवार की खेल पृष्ठभूमि ही थी जिसने हमें हार और जीत से सही रवैये के साथ निपटने में मदद की। इससे सानिया को एक टेनिस खिलाड़ी के रूप में निखारने और उनका करियर लंबा खींचने में मदद मिली। टेनिस एक ऐसा खेल है जिसमें हार और जीत दिमाग से जुड़ी होती हैं और इसमें मानसिक मजबूती बेहद महत्वपूर्ण है। सफलता में संयम की भूमिका अहम होती है और मेरा मानना है कि टेनिस कोर्ट पर सानिया को निर्भीक बनाने में माता-पिता के रूप में हमारा सबसे बड़ा योगदान रहा।

जब कोई बच्चा खेल के मैदान पर हारता है तो उसे इसकी परवाह नहीं होती है कि दुनिया उसकी हार के बारे में क्या सोच रही है। लेकिन उसकी हार पर माता-पिता का रवैया कैसा होता है यह उसे मानसिक और मनोवैज्ञानिक तौर पर काफी प्रभावित करता है। बच्चे का स्वभाव उसकी असफलताओं पर माता-पिता की प्रतिक्रिया से तय होता है। सानिया ने जब पहली बार रैकेट पकड़ा था तो मैं इसको लेकर बेहद सतर्क था और हमने उस पर जीत के लिए कभी किसी तरह का दबाव नहीं बनाया। हमारा ध्यान हमेशा इस बात पर रहा कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करे और जब तक वह ऐसा करती रही हम खुश रहे और जिस दिन वह हार जाती थी तब भी हमने उसका जश्न मना कर उसके प्रति अपना समर्थन दिखाया।

वर्षों से लोग दबाव में सानिया के शांत मिजाज, निडरता और मैचों के दौरान मुश्किल परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता के बारे में बात करते रहे हैं। मेरा मानना है कि यह उस आत्मविश्वास से हासिल किया जाता है जो हमने माता पिता के रूप में तब उसमें भरा था जब वह छोटी थी। हमने हमेशा उसका समर्थन किया तथा जीत और हार खेल का हिस्सा होते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय टेनिस खिलाड़ी तैयार करने के लिए बहुत त्याग और प्रयास करने पड़ते हैं। हमारे पूरे परिवार में टेनिस के प्रति जुनून था और हम सानिया को वह हासिल करने में मदद करने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार थे जो हमारे देश की किसी भी लड़की ने खेल में हासिल नहीं किया था।

हम इसे पैसे या शोहरत के लिए नहीं कर रहे थे। हमने जो भी प्रयास किये वह विशुद्ध रूप से उस जुनून के लिए था जो हमारे पास खेल के लिए था और भारत को एक विश्व स्तरीय महिला टेनिस खिलाड़ी देने के लिए था - जैसा हमारे देश ने पहले कभी नहीं देखा था। जब हम तीन दशक पीछे मुड़कर देखते हैं जब सानिया ने छह वर्ष की उम्र में पहली बार रैकेट उठाया था, तो हमें गर्व और संतुष्टि का अहसास होता है कि हमने अपनी भूमिका अच्छी तरह से निभाई।

हमें केवल इस बात पर ही गर्व नहीं है कि हमने भारत को एक टेनिस खिलाड़ी दी जिसने दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई सफलताएं हासिल की बल्कि हमें इसका भी गर्व है कि हमने एक रोल मॉडल तैयार की जिसने न केवल लड़कियों में बल्कि लड़कों में भी यह विश्वास भरा कि अगर आपके पास सपना है, भरोसा है तथा कड़ी मेहनत करने के साथ प्रतिबद्धता है तो फिर किसी भी क्षेत्र में कुछ भी हासिल करना असंभव नहीं है।

बुमराह को आईपीएल नहीं खेलना चाहिये : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा है कि भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों को देखते हुए अपनी फिटनेस बरकरार रखने के लिए आईपीएल नहीं खेलना चाहिये। बुमराह लंबे से से पीठ दर्द के कारण टीम से बाहर हैं। इसी कारण वह टी20 विश्कप भी नहीं खेल पाये थे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज से बाहर हैं। वहीं अटकलें हैं कि बुमराह आईपीएल के आगामी संस्करण से वापसी कर सकते हैं। वहीं चोपड़ा का मानना है कि बुमराह को अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के महत्व को देखते हुए आईपीएल छोड़ देना चाहिए। आकाश ने कहा, पहले आप भारतीय क्रिकेटर हैं और फिर आप अपनी कोई भी फ्रेंचाइजी के लिए खेलते हैं। इसलिए बुमराह को कोई भी परेशानी महसूस होती है तो इस मामले में बीसीसीआई हस्तक्षेप करेगी और फ्रेंचाइजी को बताएगी कि हम उसे रिलीज नहीं करेंगे। अगर बुमराह जोफ्रा आर्चर के साथ सात मैच नहीं खेलेंगे, तो दुनिया समाप्त नहीं हो जाएगी। आकाश ने साथ ही कहा, बुमराह एक राष्ट्रीय खजाना और चीजों का सही तरीके से ध्यान रखना उतना कठिन नहीं है। मुझे लगता है कि अगर बीसीसीआई बुमराह के मामले में हस्तक्षेप करेगी तो फ्रेंचाइजी भी इस चीज पर ध्यान देगी। वहीं विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को लेकर आकाश ने कहा कि बुमराह को पहले काउंटी क्रिकेट या फिर ईरानी कप में लाल गेंद क्रिकेट खेलकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए लय हासिल करनी चाहिये।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुष्कर में सैलानी उठाते हैं मरुस्थल का लुत्फ, लज़ीज व्यंज़न और लोक नृत्यों का है संगम

अजमेर जिला रेगिस्तानी जिलों में शामिल नहीं है परन्तु अजमेर का पुष्कर चारों और से रेगिस्तान की रेत से घिरा है। यहां जेसलमेर में सम जैसे आकर्षक रेतीले धोरें नहीं हैं परंतु सैलानियों को राजस्थान की ग्रामीण संस्कृति से बखूबी परिचित कराते हैं।

आकर्षण

पुस्कर में पर्यटकों के लिए कार्तिक पूर्णिमा पर ऊँट उत्सव, अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून फेस्टिवल, सावित्री मन्दिर पर केबल राइड, वराह घाट पर पुष्कर आरती, रॉक क्लाइम्बिंग, रैपलिंग, क्वैड बाइकिंग, साइकिलिंग, सनसेट के साथ केमल सफारी, पूरी रात केमल सफारी, केमल सफारी के साथ लक्जरी नाईट कैंपिंग, केमल कार्ट सफारी, जीप सफारी, हॉर्स राइडिंग, ज़िप्लिनिंग मनोरंजन के प्रमुख आकर्षण हैं। पर्यटक रेगिस्तान के अनदेखे क्षेत्र के इन आकर्षणों का यहाँ लुत्फ उठा सकते हैं। जयपुर के पास रेगिस्तान देखने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों के लिए जयपुर से मात्र 150 किमी. एवं अजमेर से 11 किमी.दूरी पर पुष्कर सर्वश्रेस्ठ विकल्प है। पूरे वर्ष ही भारत एवं अन्य देशों के पर्यटक पुष्कर का डेजर्ट क्षेत्र देखने आते हैं और ग्रामीण केमल सफारी, नाईट कैंपिंग,लजीज व्यंजन और लोक नृत्यों का लुत्फ उठाते हैं।

प्रतिवर्ष यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को पुष्कर मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक भी आते हैं। हजारों हिन्दु लोग इस मेले में आते हैं और अपने को पवित्र करने के लिए पुष्कर झील में स्नान करते हैं। भारत में किसी पौराणिक स्थल पर आम तौर पर जिस संख्या में पर्यटक आते हैं, पुष्कर में आने वाले पर्यटकों की संख्या उससे कहीं ज्यादा है। इनमें बडी संख्या विदेशी सैलानियों की है, जिन्हें पुष्कर खास तौर पर पसंद है। हर साल कार्तिक महीने में लगने वाले पुष्कर ऊंट मेले ने तो इस जगह को दुनिया भर में अलग ही पहचान दे दी है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बडी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शामिल होने आते हैं। मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ढेर सारी कतार की कतार दुकानें, खाने-पीने के स्टाल, सर्कस, झूले और न जाने क्या-क्या। ऊंट मेला और रेगिस्तान की नजदीकी है इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। वर्तमान में इसका स्वरूप विशाल पशु मेले का हो गया है।

मनोरंजन

दिलचस्प ऊंट सौंदर्य प्रतियोगिता , सजे-धजे ऊंट का नृत्य, मटकीफोड़, लम्बी मूंछें और दुल्हन की प्रतियोगिताएं पर्यटकों का खूब मनोरंजन करती हैं। रात्रि में लोक कलाकारों के सुर-ताल की जुगलबंदी और रंगबिरंगे नृत्यों से पर्यटक आनन्दित होते हैं। अनेक प्रदर्शनियां भी सजाई जाती हैं। परेड और दौड़ को हजारों देशी और विदेशी पर्यटक रुचिपूर्वक देखते हैं। स्मृतियों को संजोने के लिए पर्यटक हर तरफ फ़ोटो खीचते नज़र आते हैं। पर्यटकों के लिए पुष्कर में सरोवर एवं कई मन्दिर भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। अंतर्राष्ट्रीय हॉट एयर बैलून भी प्रबल आकर्षण बन गया है।

ब्रह्मा मन्दिर

पुष्कर सुरण्य नागा पहाड़ की गोद में रेतीले धरातल पर बसा है। पुष्कर का महात्म्य वेद, पुराण, महाकाव्य, साहित्य, शिलालेख एवं लोक कथाओं में वर्णित है। पुष्कर को मंदिरों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहाँ लगभग 500 मंदिर बताए जाते हैं। ब्रह्माजी का मंदिर देश भर में अकेला प्रसिद्ध मन्दिर है। धरातल से करीब 50 फीट की ऊंचाई पर स्थित मन्दिर के प्रवेश द्वार के भीतरी भाग पर ब्रह्मा का वाहन राजहंस है। प्रमुख मंदिर के गर्भगृह में ब्रह्मा जी की बैठी हुई मुद्रा में प्रतिमा स्थापित है। चतुर्मुखी इस प्रतिमा के तीन मुख सामने से दिखाई देते हैं। प्रतिमा को करीब 800 वर्ष पुराना बताया जाता है। सैंकड़ों वर्षों से प्रतिमा का प्रतिदिन जलस्नान व पंचामृत अभिषेक किया जाता है। मंदिर के आंगन में ब्रिटिशकालीन एक-एक रूपये के सिक्के जड़े हैं। संगमरमर के कलात्मक स्तंभ मोह लेते हैं। मंदिर परिक्रमा मार्ग में सावित्री माता का मंदिर स्थापित किया गया है। परिसर में अन्य मन्दिर भी दर्शनीय हैं।

पुष्कर सरोवर

अर्धचन्द्राकार पवित्र पुष्कर सरोवर प्रमुख धार्मिक पर्यटक स्थल है। यहां 52 घाट बने हैं, जिन पर 700 से 800 वर्ष प्राचीन विभिन्न देवी-देवताओं के मंदिर बनाए गए हैं। देश के चार प्रमुख सरोवरों में माना जाने वाला पुष्कर सरोवर की धार्मिक आस्था का पता इसी बात से चलता है कि यहां स्नान करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है। प्रातःकाल की वेला में जब सूर्योदय होता है तथा गोधूलि की वेला में जब सूर्यास्त होता है पुष्कर का दृष्य अत्यंत ही मनोरम होता है। इस दृष्य को देखने के लिए घाटों पर सैलानियों और श्रद्धालुओं का जमावड़ा देखा जा सकता है।

वराह मन्दिर

प्राचीनता की दृष्टि से करीब 900 वर्ष पुराना वराह मंदिर का निर्माण अजमेर के चैहान शासक अर्णीराज ने कराया था। पुष्कर सरोवर के वराह घाट के पास स्थित वराह चौंक से एक रास्ता बस्ती के भीतर इमली मोहल्ले तक जाता है, जहां यह विशाल मंदिर स्थापित है। करीब 30 फुट ऊंचा मंदिर, चौड़ी सीढ़ियां तथा किले जैसा प्रवेश द्वार आकर्षण का केन्द्र है। बताया जाता है कि कभी मंदिर का शिखर 125 फीट ऊंचा था, जिस पर सोन चराग (स्वर्ण दीप) जलता था, जो दिल्ली तक दिखाई देता था। मुख्य मंदिर में विष्णु के अवतार वराह भगवान की मूर्ति स्थापित है। मूर्ति के नीचे सप्त धातु से निर्मित करीब सवा मन वजन की लक्ष्मी-नारायण की प्रतिमा है। यहीं पर बून्दी के राजा द्वारा भेंट किया गया लोहे का सवा मनी भाला रखा गया है। जलझूलनी ग्यारस पर लक्ष्मी-नारायण की सवारी धूमधाम से निकाली जाती है। चैत्र माह में वराह नवमी के दिन भगवान का जन्मदिन मनाया जाता है। जन्माष्टमी व अन्नकूट के अवसर पर उत्सव आयोजित किए जाते हैं। मंदिर में विशेष कर चावल का प्रसाद चढ़ता है। वराह घाट पर संध्या आरती का दृश्य देखे ही बनता है।

श्री रमा वैकुण्ठ मंदिर

ब्रह्मा जी के मंदिर के बाद इस मंदिर का विशेष महत्व है, जिसे रंगा जी का मंदिर भी कहा जाता है। मंदिर करीब 20 बीघा भूमि पर बना है। मंदिर का प्रवेश द्वार आकर्षक एवं विशाल है। भीतर जाने पर सामने ही रमा वैकुण्ठ का मंदिर नजर आता है। मंदिर के ऊतंग गोपुरम पर 350 से अधिक देवताओं के चिन्ह बने हैं। यह गोपुरम दक्षिण भारतीय स्थापत्य कला शैली का अनुपम उदाहरण है। मंदिर के सामने प्रांगण में ही एक बड़ा स्वर्णिम गरूड़ ध्वज नजर आता है। मंदिर के पास अभिमुख गरूड़ मंदिर स्थापित है। मुख्य मंदिर के चारों तरफ पक्के दालान के बीच में तीन-चार फीट ऊंचे चैकोर बड़े संगमरमरी चबूतरे पर मंदिर स्थित है। मुख्य प्रतिमा व्यंकटेश भगवान विष्णु की काले पत्थरों की आभूषणों एवं वस्त्रों से सुसज्जित है। इसी को वैकुण्ठ नाथ की प्रतिमा कहा जाता है। मंदिर में ही श्रीदेवी, तिरूपति नाथ, भूदेवी, लक्ष्मी व नरसिंह की मूर्तियां भी हैं। परिक्रमा मार्ग में दोनों तरफ दीवारों पर आकर्षक रंगीन चित्र एवं संगमरमर के कलात्मक स्तंभ बने हैं। सम्पूर्ण परिक्रमा मार्ग अत्यंत लुभावना लगता है।

रंगनाथ वेणुगोपाल मंदिर

दक्षिण भारत स्थापत्य शैली पर आधारित भगवान रंगनाथ वेणुगोपाल का विशाल मंदिर वराह चौंक के पास स्थित है। मंदिर का निर्माण दक्षिण भारत के एक सेठ पूरनमल गनेरीवाल द्वारा 1844 ईस्वी में करवाया गया था। मंदिर का गोपुरम और कलश दूर से ही नजर आता है। विशाल द्वार से अंदर प्रवेश करने पर पक्का दालान और कमरे बने हैं। यहीं पर उतंग स्वर्णिम गरूड़ ध्वज है, जिसके पास गरूड़ का छोटा सा मंदिर है, जो भगवान वेणुगोपाल की तरफ मुख किए हुए है। दांयी ओर मुख्य मंदिर की सीढ़ियां जाती हैं। गर्भगृह में बंशी बजाते हुए भगवान वेणुगोपाल की श्याम वर्ण की लुभावनी प्रतिमा है। मंदिर मकराना के श्वेत पत्थर से निर्मित है, जिसके दोनों ओर जय-विजय द्वारपाल हैं। इसी मंदिर में रूकमणी, श्रीकृष्ण, भूदेवी, सत्यभामा की पंचधातु की प्रतिमाएं हैं। चैत्र माह में भगवान रंगनाथ का विवाह उत्सव मनाया जाता है।

अरावली पर्वत की घाटियों में बसा रणकपुर जैन मंदिर

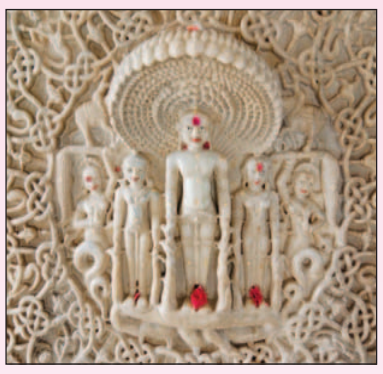

राजस्थान में अरावली पर्वत की घाटियों के मध्य चारों ओर जंगलों से घिरे रणकपुर में भगवान ऋषभदेव का चतुर्मुखी जैन मंदिर है। जंगलों से घिरे होने के कारण इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। भारत के जैन मंदिरों में संभवतः इसकी इमारत सबसे भव्य एवं विशाल है। रणकपुर मंदिर उदयपुर से 96 किलोमीटर की दूरी पर है।

इस मंदिर की इमारत लगभग 40,000 वर्गफीट में फैली है। आज से करीब 600 वर्ष पूर्व 1446 विक्रम संवत में इस मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ था, जो 50 वर्षों से अधिक समय तक चला। कहा जाता है कि उस समय में इसके निर्माण में करीब 99 लाख रुपए का खर्च आया था। इस मंदिर में 4 कलात्मक प्रवेश द्वार हैं। मंदिर के मुख्य गृह में तीर्थंकर आदिनाथ की संगमरमर से बनी 4 विशाल मूर्तियां हैं। करीब 72 इंच ऊंची ये मूर्तियां 4 अलग दिशाओं की ओर उन्मुख हैं। इसी कारण इसे चतुर्मुख मंदिर कहा जाता है। इसके अलावा मंदिर में 76 छोटे गुम्बदनुमा पवित्र स्थान, 4 बड़े प्रार्थना कक्ष तथा 4 बड़े पूजन स्थल हैं। ये मनुष्य को जीवन-मृत्यु की 84 योनियों से मुक्ति प्राप्त कर मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

इस मंदिर की प्रमुख विशेषता इसके सैकड़ों खंभे हैं जिनकी संख्या करीब 1,444 है। यहां आप जिस तरफ भी नजर घुमाएंगे आपको छोटे-बड़े आकारों के खंभे दिखाई देते हैं, परंतु ये खंभे इस प्रकार बनाए गए हैं कि कहीं से भी देखने पर मुख्य पवित्र स्थल के दर्शन में बाधा नहीं पहुंचती है। इन खंभों पर अतिसुंदर नक्काशी की गई है। इन खंभों की खास विशेषता यह है कि ये सभी अनोखे और अलग-अलग कलाकृतियों से निर्मित हैं। मंदिर की छत पर की गई नक्काशी इसकी उत्कृष्टता का प्रतीक है।

मंदिर के निर्माताओं ने जहां कलात्मक दोमंजिला भवन का निर्माण किया है, वहीं भविष्य में किसी संकट का अनुमान लगाते हुए कई तहखाने भी बनाए गए हैं। इन तहखानों में पवित्र मूर्तियों को सुरक्षित रखा जा सकता है। ये तहखाने मंदिर के निर्माताओं की निर्माण संबंधी दूरदर्शिता का परिचय देते हैं।

विक्रम संवत 1953 में इस मंदिर के रखरखाव की जिम्मेदारी एक ट्रस्ट को दे दी गई थी। उसने मंदिर के पुनरुद्धार कार्य को कुशलतापूर्वक कर इसे एक नया रूप दिया। पत्थरों पर की गई नक्काशी इतनी भव्य है कि कई विख्यात शिल्पकार इसे विश्व के आश्चर्यों में से एक बताते हैं। हर वर्ष हजारों कलाप्रेमी इस मंदिर को देखने आते हैं। इसके अलावा यहां संगमरमर के टुकड़े पर भगवान ऋषभदेव के पदचिह्न भी हैं। ये भगवान ऋषभदेव तथा शत्रुंजय की शिक्षाओं की याद दिलाते हैं।

रणकपुर का निर्माण कैसे हुआ- इस मंदिर का निर्माण 4 श्रद्धालुओं- आचार्य श्यामसुंदरजी, धरन शाह, कुंभा राणा तथा देपा ने कराया था। आचार्य सोमसुंदर एक धार्मिक नेता थे जबकि कुंभा राणा मलगढ़ के राजा तथा धरन शाह उनके मंत्री थे। धरन शाह ने धार्मिक प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर भगवान ऋषभदेव का मंदिर बनवाने का निर्णय लिया था।

कहा जाता है कि एक रात उन्हें स्वप्न में नलिनीगुल्मा विमान के दर्शन हुए, जो पवित्र विमानों में सर्वाधिक सुंदर माना जाता है। इसी विमान की तर्ज पर धरन शाह ने मंदिर बनवाने का निर्णय लिया। मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह ने कई वास्तुकारों को आमंत्रित किया। इनके द्वारा प्रस्तुत कोई भी योजना उन्हें पसंद नहीं आई। अंततः मुंदारा से आए एक साधारण से वास्तुकार दीपक की योजना से वे संतुष्ट हो गए।

मंदिर निर्माण के लिए धरन शाह को मलगढ़ नरेश कुंभा राणा ने जमीन दी। उन्होंने मंदिर के समीप एक नगर बसाने का भी सुझाव दिया। मंदिर के समीप मदगी नामक गांव को इसके लिए चुना गया तथा मंदिर एवं नगर का निर्माण साथ ही प्रारंभ हुआ। राजा कुंभा राणा के नाम पर इसे रणपुर कहा गया, जो बाद में रणकपुर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। आज का रणकपुर पुरानी विरासत और इसे सहेजकर रखने वालों के बारे में भी संदेश देता है जिनके कारण रणकपुर मात्र एक विचार से वास्तविकता में बदल सका।

वैसे भी राजस्थान अपने भव्य स्मारकों तथा भवनों के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थुान में स्थित रणकपुर मंदिर जैन धर्म के 5 प्रमुख तीर्थस्थरलों में से एक है। यह मंदिर खूबसूरती से तराशे गए प्राचीन जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर परिसर के आसपास ही नेमीनाथ और पार्श्वनाथ को समर्पित 2 मंदिर हैं, जो हमें खजुराहो की याद दिलाते हैं। यहां निर्मित सूर्य मंदिर की दीवारों पर योद्धाओं और घोड़ों के चित्र उकेरे गए हैं, जो अपने आप में एक उत्कृष्ट उदाहरण के समान है। यहां से लगभग 1 किलोमीटर दूरी पर माता अम्बा का मंदिर भी है।

कैसे पहुंचें:-

सड़क मार्ग:- उदयपुर देश के प्रमुख शहरों से सड़कों के जरिए जुड़ा हुआ है। उदयपुर से यहां के लिए प्राइवेट बसें तथा टैक्सियां उपलब्ध रहती हैं। आप यहां अपने निजी वाहन से भी जा सकते हैं।

रेलवे:- यहां पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टे शन उदयपुर ही है, साथ ही रणकपुर के लिए सभी प्रमुख शहरों से रेलगाड़ियां उपलब्धे हैं।

वायु मार्ग:- रणकपुर पहुंचने के लिए नजदीकी हवाई अड्डा उदयपुर है। दिल्लीं, मुंबई से यहां के लिए नियमित उड़ानें हैं।

आसपास के क्षेत्रों में पावापुरी सिरोही, संघवी भेरूतारक तीर्थ धाम, माउंट आबू, दिलवाड़ा का विख्यात जैन मंदिर भी हैं, जहां आसानी से पहुंचा जा सकता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिकी राजनीति के केंद्र में आई भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए अपनी पार्टी में उम्मीदवारी की दावेदारी पेश करने के बाद भारतीय-अमेरिकी निक्की हेली देश की राजनीति के केंद्र में हैं, दोनों ही दलों-रिपब्लिकन और सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी में उनके बारे में चर्चा है। भारत से अमेरिका पहुंचे सिख प्रवासियों की बेटी हेली (51) ने युवा और परिवर्तन जैसे दो प्रमुख मुद्दे उठाए हैं, इन दोनों मुद्दों ने अमेरिकियों का ध्यान आकर्षित किया है। हेली की मांग है कि 75 वर्ष से अधिक आयु के सभी राजनीतिक नेताओं को अनिवार्य रूप से मानसिक योग्यता परीक्षण से गुजरना चाहिए। उनकी यह मांग अचानक चर्चा का विषय बन गई है। भारतीय-अमेरिकी हेली की मांग इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से पुनः उम्मीदवारी के आकांक्षी एवं वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन तथा रिपब्लिकन पार्टी में उम्मीदवारी के अग्रणी दावेदार पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 75 साल से अधिक उम्र के हैं। अमेरिका में शायद ही ऐसा कोई प्रमुख अमेरिकी मीडिया प्रतिष्ठान होगा जिसने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की दावेदारी से संबंधित हेली के अभियान के बारे में चर्चा न की हो।

खूंखार आतंकवादी पीर की पाकिस्तान में गोली मारकर हत्या, हिजबुल चीफ का करीबी था आंतकी

-भारतीय खुफिया एजेंसी को थी उसकी तलाश

इस्लामाबाद। भारत काफी समय से एक खूंखार आतंकवादी की तलाश में था, जिसके बारे में पता चल रहा है कि उस आतंकी को पाकिस्तान में ही किसी ने मार डाला है। हिजबुल मुजाहिदीन के टॉप कमांडर बशीर अहमद पीर उर्फ इम्तियाज आलम की रावलपिंडी में एक दुकान के बाहर अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पीर ने जम्मू-कश्मीर में घुसकर बहुत आतंक मचाया था। कई बड़े आतंकी हमलों में भी बशीर का हाथ था। भारत सरकार ने इस आतंकी को मोस्ट वांटेड लिस्ट में डाल दिया था और खुफिया एजेंसियां इसकी तलाश में थी। कुपवाड़ा जिले के बाबापोरा, अलोसा गांव का रहने वाला पीर एक कट्टर आतंकवादी कमांडर था, जिसने दो दशक पहले अपना ठिकाना पाकिस्तान में स्थानांतरित कर लिया था। आंतकी पीर को हिजबुल चीफ सैयद सलाहुद्दीन का करीबी माना जाता था। पाकिस्तान में पनाह के कारण अभी तक ये जिंदा था लेकिन अब पाकिस्तान में हालात ठीक नहीं हैं। गृह युद्ध जैसी स्थिति बनती जा रही है। सरकार के पास देश चलाने के लिए पैसा नहीं है। तालिबानी आतंकी जगह-जगह पर हमला कर रहे हैं, पेशावर में नमाज के दौरान अतंकी हमला हुआ था जिसमें 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। हिजबुल मुजाहिदीन के प्रमुख और नामित आतंकवादी सलाहुद्दीन को पाकिस्तान के रावलपिंडी में पीर उर्फ इम्तियाज आलम के जनाजे की नमाज पढ़ते हुए देखा गया। बशीर अहमद आतंकी संगठन हिज्बुल मुजाहिद्दीन का स्वयंभू कमांडर था। सोमवार को रावलपिंडी में अज्ञात हमलावरों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी थी। गौरतलब हो कि बशीर अहमद जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के रहने वाले थे। हालांकि वह 15 से अधिक वर्षों से पाकिस्तान में रह रहा था। रिपोर्टों में कहा गया है, कि अज्ञात हमलावरों ने रावलपिंडी में एक दुकान के बाहर पॉइंट ब्लैंक रेंज से हिजबुल कमांडर की गोली मारकर हत्या कर दी। पीर नियंत्रण रेखा के जरिए जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ पर नजर रखता था। भारत ने आतंकी गतिविधियों में उसकी भूमिका के लिए गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के तहत 4 अक्टूबर, 2022 को अब मारे गए हिजबुल कमांडर को आतंकवादी घोषित किया।

चीन देगा पाकिस्तान को 70 करोड़ डॉलर का लोन

-चीन की आनाकानी पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष व अमेरिका ने अपनाया था सख्त रुख

इस्लामाबाद। पाकिस्तान डिफॉल्ट होने की कगार पर पहुंच गया है। पाकिस्तान का दोस्त बताने वाला चीन कंगाल पाकिस्तान को और ज्यादा लोन देने से आनाकानी कर रहा है। चीन ने अभी पाकिस्तान को 30 अरब डॉलर से ज्यादा का लोन दे रखा है। इसमें से ज्यादातर सीपीईसी के लिए है जो चीन खुद अपने फायदे के लिए बना रहा है। चीन की आनाकानी पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अमेरिका ने सख्त रुख अपना लिया था। अमेरिका ने कहा था कि चीन पाकिस्तान को दिए अपने कर्ज को रीस्ट्रक्चर करे। वहीं आईएमएफ ने लोन देने से पहले चीन से गारंटी मांग ली थी। चीन इससे बच रहा था। अब एक मीडिया ने दावा किया है कि चीन पाकिस्तान को 70 करोड़ डॉलर देने के लिए तैयार हो गया है। यह ताजा लोन आने वाले समय में 2 अरब डॉलर तक हो सकता है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि चीन से मिलने जा रहा 70 करोड़ डॉलर के कामर्शियल लोन से उसका गर्त में पहुंच चुका विदेशी मुद्रा भंडार तब तक थोड़ा सुधरेगा, जब तक कि आईएमएफ का पैसा आना शुरू नहीं हो जाता है। चीन की ओर से यह घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है, जब पाकिस्तान को 30 करोड़ डॉलर का चीनी कामर्शियल लोन लौटाना है। पाकिस्तान और चाइना डेवलपमेंट बैंक के बीच यह 70 करोड़ डॉलर का समझौता इस सप्ताह हुआ है। मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान को यह पैसा इस सप्ताह में मिल सकता है।

अमेरिका में 1 लाख 30 हजार बच्चे कोविड-19 से संक्रमित

लॉस एंजेलिस। अमेरिकन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (एपी) और चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल एसोसिएशन की लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार पिछले चार हफ्तों में अमेरिका में लगभग 1 लाख 30 हजार बच्चे कोविड-19 संक्रमित पाए गए। एक मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि 16 फरवरी तक अमेरिका में 15.4 मिलियन से अधिक बच्चों को महामारी की शुरुआत के बाद से कोविड-19 के लिए सकारात्मक परीक्षण करने की सूचना मिली थी। रिपोर्ट के अनुसार 16 फरवरी को समाप्त सप्ताह में लगभग 29 हजार बच्चे कोविड-19 संक्रमित पाए गए। पिछले 5 महीनों में साप्ताहिक रिपोर्ट किए गए बच्चों के मामलों में औसतन लगभग 33 हजार मामले सामने आए हैं। एपी ने कहा कि यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि बच्चों के स्वास्थ्य पर महामारी के तत्काल प्रभाव हैं, लेकिन महत्वपूर्ण रूप से हमें बच्चों और युवाओं की इस पीढ़ी के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण पर लंबे समय तक चलने वाले प्रभावों की पहचान करने और उन्हें संबोधित करने की आवश्यकता है।

म्यांमार में 65 लाख नशीली गोलियां जब्त

यांगून। म्यांमार के अधिकारियों ने पूर्वी म्यांमार के शान राज्य में 65 लाख नशीली गोलियां जब्त की हैं। सेंट्रल कमेटी फॉर ड्रग एब्यूज कंट्रोल ने एक बयान में यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, मादक पदार्थ रोधी पुलिस ने शान राज्य में माइनसैट टाउनशिप में एक मवेशी प्रजनन फार्म पर सोमवार को स्थानीय समय के अनुसार बीते मंगलवार की शाम लगभग 6.30 बजे छापा मारा और दो संदिग्ध खेत रखने वालों से 100 ग्राम नशीला पदार्थ और एक बंदूक जब्त की। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस ने मवेशी प्रजनन फार्म के मालिक के घर पर भी शाम करीब 7 बजे छापा मारा। सोमवार को स्थानीय समयानुसार और 6.5 मिलियन उत्तेजक गोलियां और कुछ आग्नेयास्त्र जब्त किए गए। जब्त किए गए नशीले पदार्थों की कीमत 2.6 अरब क्याट (1.2 मिलियन डॉलर से अधिक) से अधिक है। संदिग्धों पर देश के नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस कानून के तहत आरोप लगाए गए और आगे की जांच चल रही है।

भूकंप से तुर्की में 15 लाख लोग बेघर: संयुक्त राष्ट्र

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की एक अधिकारी ने अनुमान लगाया है कि हाल ही में आए भूकंपों की वजह से तुर्की में 15 लाख लोग बेघर हो गए हैं और देश में लगभग 5 लाख आवास इकाइयों का पुनर्निर्माण करना होगा। यूएनडीपी की तुर्की निवासी प्रतिनिधि लुइसा विंटन ने एक ऑनलाइन प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि देश की सरकार ने भूकंप से प्रभावित लगभग 70 प्रतिशत इमारतों का निरीक्षण किया था। इनमें से 118,000 इमारतों में 412,000 आवास इकाइयां ढह गई हैं या उन्हें गिराने की जरूरत है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि जिस मात्रा में मलबे को साफ करने की जरूरत है, वह बहुत अधिक है और यूएनडीपी खतरनाक कचरे के खतरे को कम करने की कोशिश कर रहा है। विंटन के अनुसार पहले भूकंप के दो सप्ताह बाद इसे तुर्की के इतिहास की सबसे बड़ी प्राकृतिक आपदा कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार ने रविवार को पहले भूकंप के लिए खोज और बचाव चरण का समापन किया और भूकंप के लगभग 300 घंटे बाद अंतिम जीवित व्यक्ति को मलबे से निकाला गया।

ब्राजील में भूस्खलन के बाद वॉलिटियर ओर दमकलकर्मी पीड़ितों की तलाश करते हुए।

ब्राजील में बाढ़ व भूस्खलन से 44 लोगों की मौत

साओ पाउलो। क्षेत्रीय सरकार ने कहा कि ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के तट पर सप्ताहांत में भूस्खलन और बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 44 हो गई, जबकि लगभग 40 लोग लापता हैं। साओ पाउलो सरकार की ओर से जारी एक बयान के मुताबिक, साओ सेबस्टियाओ शहर में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 43 लोगों की मौत हो गई और उबातुबा के समुद्र तटीय सैरगाह में एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। मंगलवार को जारी आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार 2 हजार 400 से अधिक लोगों को उनके घर नष्ट होने के बाद क्षेत्र से निकाला जाना था।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कार्निवाल उत्सव के दौरान भूस्खलन हुआ था, जिससे कई पर्यटक फंस गए थे, क्योंकि समुद्र के किनारे के रिसॉर्ट्स की ओर जाने वाली कई सड़कें और राजमार्ग क्षतिग्रस्त हो गए थे। साओ सेबस्टियाओ, उबातुबा, गुआरुजा, बर्टिओगा, इल्हाबेला और कारागुतातुबा सबसे अधिक प्रभावित और आपदा की स्थिति में हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा ने सोमवार को अपनी छुट्टी कम कर दी और साओ सेबास्टियाओ के लिए समर्थन की घोषणा करने के लिए प्रभावित क्षेत्र की यात्रा की, आवास निर्माण के लिए संघीय निधि का वचन दिया। इस बीच साओ पाउलो सोशल फंड और सिविल डिफेंस एजेंसी ने पीड़ितों को 7.5 टन दान की गई मानवीय सहायता का वितरण शुरू कर दिया है।

रूस-यूक्रेन युद्ध ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए पश्चिमी संकल्प को कर दिया दृढ़: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन

वॉरसा (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पिछले दिनों अचानक कीव पहुंचकर सभी को चौंका दिया था। अमेरिका रूस के खिलाफ यूक्रेन का समर्थन करने वाले सबसे प्रमुख देशों में से है। बाइडेन ने मंगलवार को पौलेंड में अपने भाषण में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने दुनिया भर में लोकतंत्र की रक्षा के लिए पश्चिमी संकल्प को और दृढ़ कर दिया है। बाइडेन ने कठोर और कड़वे दिनों की चेतावनी देते हुए कहा कि अमेरिका और उसके सहयोगी मजबूती से यूक्रेन के साथ खड़े रहेंगे। सनद रहे अगले शुक्रवार को रूस-यूक्रेन जंग का एक साल पूरा हो जाएगा। पौलेंड के शाही महल में यूक्रेनी शरणार्थियों और पौलेंड की जनता को संबोधित करते हुए बाइडन ने कहा कि दुनिया के लोकतंत्र आज, कल और हमेशा स्वतंत्रता की रक्षा के लिए खड़े रहेंगे। अपने संबोधन से पहले बाइडेन ने पोलैंड के राष्ट्रपति एंड्रयूज डी. से मुलाकात

की। पौलेंड के राष्ट्रपति भवन में बाइडेन ने कहा कि हमें यूरोप में हर हाल में सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि एक साल पहले दुनिया कीव के पतन के लिए तैयार थी। मैं अभी कीव से लौटा हूं और दावा कर सकता हूं कि कीव मजबूत है।

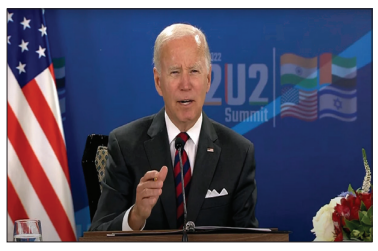

बाइडेन ने कहा कि पुतिन का जमीन और सत्ता का लालच हार जाएगा। यूरोप के दौरे पर बाइडेन यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि यूक्रेन की मदद का पश्चिमी संकल्प कमजोर नहीं पड़ा है। बाइडेन ने जंग के शुरुआती दिनों को याद करते हुए कहा कि जब रूस ने हमला किया तो यह सिर्फ रूस की परीक्षा नहीं थी। यह पूरी दुनिया के लिए एक परीक्षा की घड़ी थी। यूरोप की परीक्षा थी, अमेरिका की परीक्षा थी, नाटो की परीक्षा थी। बाइडेनन ने अपने भाषण में कई बार पुतिन को सीधे संबोधित किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मंगलवार को सदन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हम अपने देश की सुरक्षा के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पुतिन ने कहा कि 2014 से ही डोनबास में हमारी लड़ाई चल रही है, लेकिन इसका कोई शांतिपूर्ण हल नहीं निकल सका। रूस में नाटो की दखल बढ़ रही है। पश्चिमी देश यूक्रेन का साथ दे रहे हैं। हम पश्चिमी ताकतों के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध ही हमारा आखिरी विकल्प था।

ऑस्ट्रिया में बच्चे जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर सरकार के खिलाफ अदालत पहुंचे

सिडनी। ऑस्ट्रिया में करीब 12 बच्चों ने देश की शीर्ष अदालत में वाद दायर करके सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिए जाने का अनुरोध किया है कि वह जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर कड़ी कार्रवाई कर उनके संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करे। समूह की एक वकील ने कहा कि संवैधानिक न्यायालय को प्रस्तुत किया गया मामला जर्मनी में इसी तरह के मुकदमे से प्रेरित है। वकील ने कहा कि उक्त मुकदमे ने दो साल पहले वहां की सरकार को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए नये लक्ष्य निर्धारित करने के लिए प्रेरित किया था। बच्चों की वकील मिशेला क्रॉएमर का कहना है कि 2011 से ऑस्ट्रिया का जलवायु कानून पांच से 16 वर्ष की आयु के वादियों की ग्लोबल वार्मिंग के खतरनाक दुष्परिणामों से पर्याप्त रूप से रक्षा नहीं करता। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से, ऑस्ट्रिया के संविधान में गारंटीकृत पीढ़ीगत न्याय का देश के जलवायु कानून द्वारा उल्लंघन किया गया है। क्रॉमर ने कहा कि मुकदमा युवा जलवायु समूह 'फ्राइडे फॉर फ्यूचर' द्वारा समर्थित है जो स्वीडन की सामाजिक कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग से प्रेरित है।

बाइडेन और जेलेंस्की की मुलाकात के दौरान रुस ने किया हाइपरसोनिक मिसाइल का परीक्षण

- अमेरिकी राष्ट्रपति की कीव यात्रा पर भड़का रुस

कीव (एजेंसी) अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन की यूक्रेन यात्रा के बाद रूस भड़का हुआ है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन युद्ध को पश्चिमी देशों ने शुरू किया है। पुतिन ने कहा कि रूस अपने नागरिकों की हरसंभव रक्षा करेगा। इस बीच अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस ने बाइडन की यात्रा के दौरान परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम हाइपरसोनिक मिसाइल सतान-2 का परीक्षण किया था। बताया जा रहा हैं कि बाइडन की यात्रा के दौरान सतान-2 का परीक्षण करके रूस ने अमेरिकी राष्ट्रपति को चेतावनी दी थी।

सूत्रों ने बताया कि रूस ने यह परीक्षण उस समय किया जब बाइडन और जेलेंस्की आपस में मुलाकात कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि संभवतः रूसी मिसाइल का परीक्षण फेल रहा। यह मिसाइल एक साथ कई परमाणु बम ले जाने की तकनीक से लैस है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि पुतिन को अपने भाषण में इस मिसाइल का उल्लेख भी करना था। अमेरिकी सूत्रों ने कहा कि वे इस रूस की ओर से उकसावे की कार्रवाई नहीं मानते हैं।

रूस की सतान-2 मिसाइल एक सुपरवेपन है जो हाइपरसोनिक रफ्तार से हमला करने में सक्षम है। रूस से इस ब्रिटेन पहुंचने में मात्र 6 मिनट लगेगा। यह एक मिसाइल अपने साथ 15 परमाणु हथियार ले जा सकती है। पश्चिमी देशों के पास इस मिसाइल के टक्कर का कोई हथियार नहीं है। इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन बुधवार को पोलैंड में उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के पूर्वी क्षेत्र के नेताओं से मुलाकात करने वाले हैं। नाटो के पूर्वी क्षेत्र में आने वाले देशों को 'बुखारेस्ट नाइन' कहा जाता है। इनमें बुल्गारिया, चेक गणराज्य, एस्तोनिया, हंगरी, लात्विया, लिथुआनिया, पोलैंड, रोमानिया और स्लोवाकिया शामिल हैं। इससे पहले बाइडन ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का एक साल पूरा होने के अवसर पर मंगलवार को वारसा रॉयल कैसल में अपने संबोधन में कहा, जब रूस ने आक्रमण किया, तो यह केवल यूक्रेन के लिए परीक्षा नहीं थी। सारी दुनिया ने युगों-युगों तक किसी न किसी परीक्षा का सामना किया है।

जाति आधारित भेदभाव को बैन करने वाला अमेरिका का पहला शहर बना सिएटल

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सिएटल जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला अमेरिका का पहला शहर बन गया है। भारतीय अमेरिकी नेता एवं अर्थशास्त्री ने सिएटल सिटी काउंसिल में भेदभाव न करने की नीति में जाति को शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसे पारित कर दिया गया है। उच्च जाति की हिंदू नेता क्षमा सावंत के प्रस्ताव को सिएटल के सदन यानी सिटी काउंसिल में एक के मुकाबले छह मतों से पारित किया गया। अमेरिका में जाति आधारित भेदभाव के मामले पर इस मत परिणाम के दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं। सावंत ने प्रस्ताव पारित होने के बाद कहा कि यह आधिकारिक हो गया है। हमारे आंदोलन के कारण सिएटल में जातिगत भेदभाव पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, जो देश में पहली बार हुआ है। इस जीत को देशभर में फैलाने के लिए हमें इस आंदोलन को आगे बढ़ाना होगा। इस प्रस्ताव से पहले भारतीय अमेरिकी सांसद प्रमिला जयपाल ने भी इसे अपना समर्थन दिया था। उन्होंने कहा कि अमेरिका समेत दुनिया में कहीं भी जाति आधारित भेदभाव के लिए कोई स्थान नहीं है और इसीलिए कुछ महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों ने परिसरों में इस पर बैन लगा दिया है और श्रमिक जातिगत भेदभाव संबंधी मामलों में अपने अधिकारों एवं अपनी गरिमा के लिए लड़ रहे हैं। सिएटल में जातिगत भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाले प्रस्ताव में अहम भूमिका निभाने वाले 'इक्वैलिटी लैब्स' ने कहा कि सिएटल जाति आधारित भेदभाव को प्रतिबंधित करने वाला देश का पहला शहर बन गया है और इसी के साथ प्रेम की घृणा पर जीत हो गई। हमने बलात्कार की धमकियों, जान से मार देने की धमकियों, दुष्प्रचार एवं कट्टरता से पार पाते हुए यह काम किया। इस प्रस्ताव के खिलाफ अभियान चलाने वाले 'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' ने कहा कि दक्षिण एशियाई लोगों को अलग करना और गैर-भेदभाव नीति में जाति को जोड़ना उसी नीति का उल्लंघन है, जिसमें अब संशोधन किया गया है।

अध्यादेश दक्षिण एशियाई लोगों, दलित व बहुजन को पहुंचाएगा नुकसान

अंबेडकर फुले नेटवर्क ऑफ अमेरिकन दलित्स एंड बहुजन्स' की मधु टी ने कहा कि एक 'विवादास्पद परिषद सदस्य' द्वारा दुर्भावनापूर्ण तरीके से और जल्दबाजी में लाया गया अध्यादेश केवल दक्षिण एशियाई लोगों को, विशेष रूप से दलित एवं बहुजन को नुकसान पहुंचाएगा। कई भारतीय-अमेरिकियों को डर है कि सरकारी नीति में जाति को संहिताबद्ध करने से अमेरिका में हिंदूफोबिया (हिंदुओं के खिलाफ घृणा एवं डर की भावना) के मामले और बढ़ेंगे। अमेरिका में पिछले तीन साल में महात्मा गांधी एवं मराठा सम्राट शिवाजी की प्रतिमा सहित पांच प्रतिमाओं और 10 हिंदू मंदिरों में तोड़-फोड़ की गई है।

परमाणु बमों के मामले में अमेरिका से कई गुना आगे हैं पुतिन

- रूस के पास 5977 परमाणु वॉरहेड

मॉस्को (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों को परमाणु युद्ध की चेतावनी दी। पुतिन ने ऐलान किया कि रूस 2011 में हुए परमाणु करार न्यू स्टार्ट संधि से हट रहा है। इसके बाद रूस और अमेरिका के बीच फिर से परमाणु हथियारों की होड़ शुरू होने की आशंका है। खुद पुतिन ने कहा है कि पश्चिमी देश रूस के विनाश की साजिश रच रहे हैं। इसके बाद अपनी रक्षा के लिए रूस हर संभव कदम उठाएगा। उन्होंने परमाणु परीक्षणों को फिर से शुरू करने की ओर भी इशारा किया। उन्होंने रूस के स्ट्रैटजिक हथियार प्रणालियों को युद्धक ड्यूटी पर तैनात करने का भी आदेश दिया। छह दशकों में पश्चिम के साथ सबसे बड़ा टकराव शुरू करने वाले आक्रमण का आदेश देने के लगभग एक साल बाद, पुतिन ने कहा कि रूस हर हाल में यूक्रेन में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करेगा। पुतिन ने दो टूक शब्दों में कहा कि रूस को युद्ध के मैदान में हराना असंभव है।

रूस और अमेरिका के पास दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार हैं। न्यू स्टार्ट संधि ने दोनों देशों के परमाणु हथियारों को 700 तक सीमित कर दिया था। इसमें जमीन पर तैनात बैलिस्टिक मिसाइल, पनडुब्बी से लांच होने वाली बैलिस्टिक मिसाइल और परमाणु बॉम्बर्स के गिराए जाने वाली मिसाइलें शामिल हैं। इसके अलावा दोनों देश इन मिसाइलों में कुल 1500 परमाणु वॉरहेड लगाने पर भी सहमत हुए थे। ये वॉरहेड हर समय हमले के लिए तैयार रहते हैं। दोनों देश 2018 से अपने परमाणु हथियारों को इसी सीमा के अंदर रखे हुए हैं। हालांकि, रूस के बाहर निकलने से परमाणु हथियारों की रेस फिर से शुरू होने की आशंका है। हालांकि, रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि मॉस्को का इरादा इस संधि में उल्लेखित प्रतिबंधों का पालन करना जारी रखना है। दुनिया में सबसे अधिक परमाणु हथियार रूस के पास हैं। 2022 की एक रिपोर्ट के अनुसार, रूस के पास 5977 परमाणु वॉरहेड हैं। इसमें से 1500 परमाणु वॉरहेड को रिटायर किया जा चुका है, हालांकि इनका दुबारा इस्तेमाल होता है। रूस ने 2889 परमाणु वॉरहेड को रिजर्व रखा है। इनका इस्तेमाल रेडी टू फायर मिसाइलों के खत्म होने के बाद किया जा सकता है। रूस ने 1588 परमाणु वॉरहेड को हमले के लिए तैनात रखा है। हमले के लिए तैनात परमाणु वॉरहेड में से 812 जमीन से हमला करने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों में लगाए गए हैं। 556 परमाणु वॉरहेड्स को पनडुब्बी से लांच किए जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइलों में लगाया गया है। इसके अलावा 200 परमाणु वॉरहेड्स को हैवी बॉम्बर्स बेस पर तैनात किया गया है।

रूस के पास कुल 400 परमाणु हथियारों से लैस इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें हैं। इन मिसाइलों में कुल 1185 परमाणु वॉरहेड को तैनात किया जा सकता है। इसके अलावा रूस परमाणु हथियारों से लैस 10 परमाणु शक्ति संचालित पनडुब्बियों को ऑपरेट करता है। इन पनडुब्बियों में 800 परमाणु वॉरहेड को तैनात किया जा सकता है। वहीं, रूस के पास 60 से 70 परमाणु बमवर्षक विमान भी हैं, जो दुनिया में कहीं भी हवा के जरिए परमाणु हमला कर सकते हैं। अमेरिका के पास 5428 परमाणु वॉरहेड्स हैं, जिनमें से 1644 हमेशा हमले के लिए तैयार रहते हैं। इसके अलावा परमाणु शक्ति संपन्न देशों ने आज तक हमले के लिए तैयार परमाणु वॉरहेड्स की जानकारी साझा नहीं की है।

चीन में मोटे अनाज से तैयार भारतीय व्यंजनों को लोकप्रिय बनाने के लिए किये जा रहे प्रयास

बीजिंग। प्रागैतिहासिक काल में भोजन का मुख्य स्रोत रहे मोटे अनाज ने चीन में भारतीय रेस्तराओं में शानदार वापसी की है और इस देश में भारत का राजनयिक मिशन 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023' मना रहा है। भारत सरकार द्वारा एक प्रस्ताव लाये जाने और खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के सदस्यों की तथा संयुक्त राष्ट्र महासभा के 75वें सत्र में इसे मंजूरी मिलने के बाद वर्ष 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। प्रस्ताव का 70 से अधिक देशों ने समर्थन किया है। यहां स्थित भारतीय दूतावास ने इस सिलसिले में कई कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई है, जिसमें चीन में एफएओ के प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ अंतराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष 2023 पर चर्चा के लिए एक गोलमेज चर्चा भी शामिल है। दूतावास मोटा अनाज पकाने की विधि पर एक पुस्तक का भी विमोचन करेगा और 'मोटा अनाज पकाने की चुनौती' और 'मोटा अनाज सेल्फी प्रतियोगिता' का भी आयोजन करेगा। बीजिंग, शंघाई और कई अन्य चीनी शहरों में भारतीय रेस्तरां मोटे अनाज से तैयार किये जाने वाले कई विशेष व्यंजनों के साथ आये हैं, ताकि उन्हें चीनी अतिथियों के बीच लोकप्रिय किया जा सके। बीजिंग के सबसे पुराने भारतीय रेस्तरां ताज पवेलियन ने मोटे अनाज की एक नयी व्यंजन सूची तैयार की है, जिसमें 'मिलेट ढोकला' 'गोटी पकौड़ी', 'टोमैटो रागी ऑमलेट', 'चिकन भूना सरगम', 'बार्ली मटन पुलाव' शामिल हैं।

घर में खुद के पाले आंतकियों से पाकिस्तान को खतरा, इस्लामाबाद में हाई अलर्ट

इस्लामाबाद (एजेंसी)। (ईएमएस)। आतंकियों को पनाह देने वाला पाकिस्तान खुद इनदिनों आतंकी गतिविधियों से जूझ रहा है। यह देखकर आतंकी हमले की आशंका के बीच इस्लामाबाद में हाई अलर्ट जारी किया गया है। एक मीडिया रिपोर्ट में बताया कि इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) अकबर नासिर खान ने राजधानी में कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखने के लिए सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखने के सख्त आदेश जारी किए हैं।

आईजीपी इस्लामाबाद ने सभी अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में उपस्थित रहने का निर्देश देकर अधिकारियों को ड्यूटी के संबंध में भी विभिन्न जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ड्यूटी पर तैनात अधिकारी पूरे सुरक्षा उपकरणों से लैस हों और सरकारी व निजी गाड़ियों, एंबुलेंसों व संदिग्ध व्यक्तियों पर पैनी नजर रखें। नासिर ने कहा कि अपंजीकृत गाड़ियों/ मोटरसाइकिलों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए

नासिर ने कहा कि शहर भर में पेशेवर भिखारियों और उनके सहायकों के खिलाफ चल रही कार्रवाई को तेज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेड जोन और डिप्लोमैटिक एन्क्लेव की सुरक्षा को और सख्त बनाया जाए। नासिर ने आदेश दिया कि बिना पैटर्न वाली नंबर प्लेट और टिंटेड ग्लास वाली गाड़ियों के प्रवेश पर रोक लगा दे। आईजीपी ने कहा कि इस्लामाबाद कैपिटल पुलिस हमेशा नागरिकों के जीवन और संपत्ति की रक्षा के लिए लगी हुई है, और संघीय राजधानी इस्लामाबाद में कानून व्यवस्था बनाए रखना इस्लामाबाद कैपिटल पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस (यूएसआईपी) की रिपोर्ट का हवाला देकर बताया कि पाकिस्तान के आर्थिक संकट और अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के बीच प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) इस्लामाबाद के लिए संभावित खतरे के रूप में फिर से उभरा है। यूएस इंस्टीट्यूट ऑफ पीस (यूएसआईपी) द्वारा वाशिंगटन में जारी रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है, पाकिस्तान के आर्थिक संकट और अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के बीच, टीटीपी एक तेजी से शक्तिशाली खतरे के रूप में फिर से उभरा है। जिसे देखते हुए इस्लामाबाद में सुरक्षा को हाई अलर्ट पर रखने के सख्त आदेश जारी किए हैं।

नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी बम से ग्रामीण की मौत, एक माह में तीसरी घटना

चाईबासा । नक्सलियों द्वारा कोल्हान के जंगल में लगाए आइइडी बम की चपेट में आने से एक और व्यक्ति की मौत हुई है। बीते एक माह के अंदर यह तीसरी घटना है, जिसमें नक्सली द्वारा जंगल में लगाए आइइडी की चपेट में आने से किसी की मौत हुई है। ग्राम मेरालगढ़ा के आस-पास जंगल में एक आइइडी बम विस्फोट की चपेट में आने से ग्राम मेरालगढ़ा के निवासी हरीश चंद्र गोप उम्र लगभग 23 वर्ष की मृत्यु हुई है। पुलिस ने बताया कि हरीश सुबह लकड़ी चुनने के लिए जंगल की ओर गए हुए थे। इस पूरे घटना क्रम को लेकर चाईबासा पुलिस एवं सभी सुरक्षा बल ने गहरी संवेदना प्रकट की है। कोल्हान क्षेत्र में लगातार संचालित नक्सल विरोधी अभियान के कारण सुरक्षा बलों को क्षति पहुंचाने के लिए नक्सलियों के द्वारा आइइडी का प्रयोग किया जा रहा है। आइइडी विस्फोट में ग्रामीणों को लक्षित कर उन्हें मौत के घाट उतारना, घायल करना नक्सलियों का एक कायराना हरकत है। झारखण्ड पुलिस आम जनता की सेवा में सदैव तत्पर है और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए सघन नक्सल विरोधी अभियान का संचालन जारी रहेगा। नक्सल अभियान के विरुद्ध सोमवार देर रात गोईलकेरा थानान्तर्गत ग्राम आराहासा मार्ग पर माओवादियों ने सड़क जाम करने के लिए रात्रि में एक पेड़ को काट कर गिरा दिया था। साथ ही पेड़ पर बैनर और पोस्टर लगा दिया था।

हिजाब मामले में सुनवाई के लिए पीठ गठित करेगा सुप्रीम कोर्ट

-सीजेआई ने दिया आश्वासन

बेंगलुरु । कर्नाटक की छात्राओं के समूह ने हिजाब पहनकर परीक्षा देने की अनुमति की मांग को लेकर तत्काल सुनवाई के लिए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कर्नाटक में प्री-यूनिवर्सिटी परीक्षा 9 मार्च से शुरू हो रही है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने छात्रा याचिकाकर्ताओं को आश्वासन दिया कि वह मामले को देखकर एक पीठ का गठन करने वाले हैं। वकील शादान ने सीजेआई के सामने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की मांग करते हुए कहा कि परीक्षाएं 9 मार्च से शुरू होने वाली हैं और अगर उन्हें परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई, तब लड़कियों का साल बर्बाद हो जाएगा। जब सीजेआई ने पूछा कि उन्हें परीक्षा देने से कौन रोक रहा है, तब अधिवक्ता ने कहा, लड़कियों को सिर पर स्कार्फ बांधकर परीक्षा देने की अनुमति नहीं है और लड़कियां इसके बिना परीक्षा देने के लिए तैयार नहीं हैं। हम उनके लिए केवल सीमित राहत चाहते हैं। कर्नाटक सरकार द्वारा सरकारी प्री-यूनिवर्सिटी कॉलेजों में हिजाब पहनने पर प्रतिबंध लगाने के बाद, कई मुस्लिम छात्रों को निजी कॉलेजों में जाना पड़ा। हालांकि, परीक्षाएं सरकारी कॉलेजों में आयोजित की जाती हैं, जहां हिजाब पर प्रतिबंध है। इस पृष्ठभूमि में याचिकाकर्ताओं ने अंतरिम राहत की मांग की है।

मुंबई के धारावी की झुग्गियों में भीषण आग, कोई हताहत नहीं

मुंबई । मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी की कुछ झुग्गियों में बुधवार तड़के भीषण आग लग गई। हालांकि किसी के घायल होने की खबर नहीं है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि धारावी दमकल केंद्र के पास कमला नगर और शाहू नगर इलाकों में तड़के करीब सवा चार बजे कुछ झुग्गियों में आग लग गई। एक निगम अधिकारी ने बताया, ''कम से कम 12 दमकल गाड़ियां, आठ पानी के टैंकर और अन्य दमकल वाहन आग बुझाने के अभियान में जुटे हैं।'' उन्होंने बताया कि आग कुछ झोपड़ियों तक ही सीमित है, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी के अनुसार, मुंबई पुलिस, बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के प्रशासनिक वार्ड और कई अन्य एजेंसी के कर्मचारी घटनास्थल पर मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। विस्तृत ब्योरे की प्रतीक्षा है।

ऑनलाइन खेल में फंसा इंडिया

-74 फ़ीसदी बच्चे खेल मैदान से दूर- ऑनलाइन गेम में मशगूल

नई दिल्ली । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में ऑनलाइन गेमिंग की लत के कारण 74 फीसदी बच्चे, जिनकी उम्र 11 से 17 साल के बीच की है। वह 30 मिनट भी खेल एक्टिविटीज में शामिल नहीं हो रहे हैं। 16 से 34 साल के 59 फीसदी लोग ऑनलाइन गेम में 3 से 4 घंटे का औसतन समय बिता रहे हैं। वर्चुअल गेम और स्पोर्ट बैटिंग के नाम पर हर स्मार्टफोन पर जुआ घर चल रहा है। बड़े-बड़े अभिनेता ऑनलाइन गेम का प्रचार कर रहे हैं। लूडो, रमी, पोकर, हॉर्स रेसिंग, फैंटेसी स्पोर्ट्स, 18 वर्ष से 35 वर्ष के युवाओं के बीच भारी पसंद बन हुए हैं। इसमें युवा हजारों रुपए प्रतिमाह खर्च कर रहे हैं। वहीं ऑनलाइन जुए के माध्यम से लाखों रुपए बर्बाद भी कर रहे हैं। अधिकांश आबादी, शैक्षणिक कार्य, रोजगार,नौकरी एवं अपने पारिवारिक और निजी कार्यों से दूर होते जा रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट को मानें, तो भारत में 11 से 17 साल के 74 फीसदी बच्चे शारीरिक रूप से निष्क्रिय हो चुके हैं। 18 से 70 साल के बीच के लोग शारीरिक सक्रियता के मामले में बहुत कमजोर होते जा रहे हैं। 70 वर्ष से ज्यादा उम्र के लगभग 49 फीसदी लोग शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। जिसके कारण बीमारियां बढ़ रही हैं।

स्मार्टफोन बीमारियों का पिटारा

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के अनुसार शारीरिक रूप से सक्रिय ना होने के कारण, भारत में 18 साल से ऊपर के 7 करोड़ 70 लाख लोग डायबिटीज 2 के शिकार हो चुके हैं। 2.5 करोड़ युवाओं में डायबिटीज के लक्षण आ गए हैं। भारत में हर साल 28 लाख लोग मोटापे का शिकार हो रहे हैं। देश में हर साल 47 लाख हार्ट के मरीज बढ़ रहे हैं। युवाओं में भी अब हार्टअटैक के मामले बढ़ रहे हैं। 6.1 करोड़ लोग ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की बीमारी) नामक बीमारी के शिकार हैं। बच्चों और युवाओं में भी अब हड्डी की बीमारियां, गठिया बीमारी जो बुढ़ापे में आती थी। अब वह युवाओं में भी आ गई है। सभी आयु वर्ग के लोगों में शारीरिक सक्रियता कम हो जाने के कैंसर और स्ट्रोक के मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ती ही जा रही है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है कि भारत में 65 लाख मरीज स्ट्रोक के सामने आए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट को माने, तो भारत में स्मार्टफोन इंटरनेट और ऑनलाइन गेम ने भारतीय सामाजिक, शैक्षणिक,रोजगार, व्यापार के साथ-साथ करोड़ों लोगों को बीमार बनाने का कारण अब स्मार्टफोन बन गया है।

अजित पवार के साथ भाजपा के सरकार बनाने के प्रयास से राष्ट्रपति शासन खत्म हुआ : शरद पवार

पुणे। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के प्रमुख शरद पवार ने बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा उनके भतीजे और राकांपा नेता अजित पवार के साथ सरकार बनाने की कोशिश का एक फायदा यह हुआ कि इससे 2019 में महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन समाप्त हो गया। पवार ने पिंपरी चिंचवड़ में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर (अजित के साथ सरकार गठन की) ये कवायद नहीं हुई होती, तो राज्य में राष्ट्रपति शासन जारी रहता। वह उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस दावे के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे कि अजित पवार के साथ सरकार बनाने के लिए राकांपा प्रमुख शरद पवार का भी समर्थन प्राप्त था। राकांपा प्रमुख ने कहा, 'सरकार बनाने का प्रयास किया गया था। उस कवायद का एक फायदा यह हुआ कि इससे महाराष्ट्र में राष्ट्रपति शासन हटाने में मदद मिली और उसके बाद जो हुआ, वह सभी ने देखा है।'' यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें इस तरह के सरकार गठन के बारे में पता था और अजित पवार इस मुद्दे पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं, राकांपा प्रमुख ने हैरानी जताते हुए कहा कि क्या इस बारे में बोलने की जरूरत है? उन्होंने कहा, ''मैंने अभी कहा कि अगर इस तरह की कवायद नहीं होती तो क्या राष्ट्रपति शासन हटा लिया जाता? अगर राष्ट्रपति शासन नहीं हटा होता तो क्या उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री पद की शपथ लेते?'' गौरतलब है कि महाराष्ट्र में एक आश्चर्यजनक राजनीतिक घटनाक्रम के बाद तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने 23 नवंबर, 2019 को एक समारोह में फडणवीस को मुख्यमंत्री और अजित पवार को उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई थी, लेकिन सरकार सिर्फ तीन दिन तक चली, जिसके बाद उद्धव ठाकरे ने राकांपा और कांग्रेस के समर्थन से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

चुनावी राज्यों में केंद्रीय गृहमंत्री शाह के ताबड़तोड़ दौरे, कर्नाटक, मध्यप्रदेश में जनसभा

-बिहार पहुंचकर आगे की रणनीति तय करेंगे भाजपा के चाणक्य

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह लगातार चुनावी राज्यों का दौरा कर पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं। चुनावी राज्यों में भाजपा के संगठन को एकजुट रखना और कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करना पार्टी की पहली प्राथमिकता है। इसी कारण शाह लगातार चुनावी राज्यों का दौरा कर रहे हैं। जानकारी के मुताबिक 23 फरवरी को शाह चुनावी राज्य कर्नाटक दौरे पर जाएंगे। कर्नाटक में वह कई कार्यक्रमों में शामिल होने वाले है। इसके बाद वह 24 फरवरी को मध्यप्रदेश पहुंचने वाले हैं। मध्यप्रदेश में भी शाह के कई कार्यक्रम है। मध्य प्रदेश का दौरा खत्म करने के बाद शाह सीधे बिहार पहुंचने वाले हैं। बिहार के बाल्मीकि नगर और पटना में भी शाह के कई कार्यक्रम हैं। इसके अलावा इन राज्यों में भाजपा संगठन के नेताओं से भी शाह बैठक करने वाले हैं। शाह पार्टी नेताओं के साथ बैठक के दौरान आगामी रणनीति पर भी चर्चा करने वाले हैं।

शाह के कर्नाटक दौरे के दौरान 23 फरवरी को बेल्लारी और संदूर में आयोजित जनसभा को संबोधित करने वाले हैं। शाह इन रैलियों के जरिए आगामी चुनाव को लेकर पार्टी का एजेंडा लोगों के समक्ष रखने की कोशिश करने वाले हैं। शाह की इस रैली में भाजपा के कई बड़े नेता शामिल हो सकते हैं। बता दें कर्नाटक में अप्रैल-मई में विधानसभा के चुनाव होने हैं। कर्नाटक का दौरा खत्म कर 24 फरवरी को शाह सीधे मैहर पहुंचकर सीधे शारदा माता का दर्शन भी करने वाले हैं। मैहर के बाद शाह सतना पहुंचकर कोल जाति महाकुंभ और माता शबरी जयंती कार्यक्रम को संबोधित करने वाले हैं। माना जा रहा है कि इन कार्यक्रमों में एक लाख से ज्यादा जनजातीय समुदाय के लोग शामिल हो रहे हैं। इन तमाम कार्यक्रमों को खत्म करने के बाद संगठन के नेताओं से शाह की चर्चा होगी। मध्य प्रदेश में भी साल विधानसभा के चुनाव होने हैं।

मध्य प्रदेश के बाद सीधे शाह बिहार पहुंचकर 25 फरवरी को बाल्मीकि नगर के लौरिया में एक बड़ी रैली को संबोधित करने वाले हैं। इसके बाद वे नंदनगढ़ जाएंगे जहां बौद्ध स्पूत का दर्शन करने वाले हैं। दोपहर बाद शाम में केंद्रीय गृहमंत्री शाह का पटना में कार्यक्रम है। वह स्वामी सहजानंद सरस्वती जयंती के मौके पर आयोजित किसान मजदूर समारोह में शामिल होकर संबोधित करने वाले हैं। देर रात शाह भाजपा के नेताओं के साथ बैठक कर आगामी दिनों के लिए रणनीति तय करने वाले हैं। माना जा रहा है कि शाह अपने दौरे के दौरान उपेंद्र कुशवाहा से मुलाकात कर सकते हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने हाल में ही जदयू से नाता तोड़कर अपनी नई पार्टी बना ली है।

राहुल गांधी ने भाजपा पर लगाया मेघालय की संस्कृति को खत्म करने का आरोप, टीएमसी पर भी साधा निशाना

नई दिल्ली(एजेंसी)। मेघालय विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार का दौर लगातार जारी है। 27 फरवरी को वहां विधानसभा के चुनाव होने हैं। 60 सीटों के लिए भाजपा, कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस के बीच में जबरदस्त मुकाबला है। इसके अलावा क्षेत्रीय पार्टियां भी मैदान में हैं। आज कांग्रेस के लिए प्रचार करने पहुंचे राहुल गांधी ने भाजपा और तृणमूल कांग्रेस पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा। उन्होंने भाजपा पर मेघालय की संस्कृति को खत्म करने का आरोप लगाया। शिलांग में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल ने कहा कि भाजपा को मेघालय की भाषा, संस्कृति और इतिहास को नुकसान नहीं पहुंचाने देंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि मेघालय के लोग टीएमसी की परंपराओं- पश्चिम बंगाल में हिंसा और घोटाले से वाकिफ हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी ने गोवा चुनाव में बड़ी रकम खर्च की, वह भाजपा को जिताने के लिए मेघालय में भी यही कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा पर भी बात की। राहुल ने कहा कि हमने भारत जोड़ो यात्रा इसलिए की क्योंकि भाजपा और आरएसएस ने हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि चाहे वह संसद हो, मीडिया हो, नौकरशाही हो, चुनाव आयोग हो या न्यायपालिका, ये सभी संस्थान आरएसएस की विचारधारा के निशाने पर हैं।

नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए राहुल ने कहा था कि मैंने संसद में भाषण दिया था और पीएम से कुछ सीधे सवाल पूछे थे। मैंने पीएम से अडानी के साथ उनके रिश्ते के बारे में पूछा। मैंने एक तस्वीर भी दिखाई जिसमें पीएम मोदी, अडानी के साथ उनके विमान में बैठे हैं। उन्होंन साफ तौर कहा कि पीएम मोदी ने एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया। राहुल ने कहा कि उन्होंने मुझसे एक प्रश्न पूछा और कहा कि मेरा नाम गांधी क्यों है, नेहरू क्यों नहीं? उन्होंने पूरी चर्चा को टाल दिया। आपने देखा कि पीएम मोदी जब भाषण देते हैं तो पूरे टीवी पर छा जाते हैं। लेकिन मेरा भाषण कहीं नजर नहीं आया और इसका कारण यह है कि इस देश की मीडिया को 2-3 बड़े उद्योगपतियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है जिनके संबंध पीएममोदी से हैं।

अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत : अनुराग ठाकुर

इंदौर (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि शिवसेना विवाद में निर्वाचन आयोग के विस्तृत फैसले के बाद स्थिति स्पष्ट हो चुकी है और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को अब समझ लेना चाहिए कि पार्टी कार्यकर्ताओं की ताकत किसके पास है। शिवसेना के नियंत्रण को लेकर ठाकरे और महाराष्ट्र के मौजूदा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के धड़ों के बीच कानूनी विवाद चल रहा है। इस बारे में पूछे जाने पर केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने इंदौर में मंगलवार देर रात संवाददाताओं से कहा कि इस मसले में निर्वाचन आयोग का बड़ा विस्तृत फैसला आया है और इसके बाद दूध का दूध, पानी का पानी हो चुका है। उन्होंने कहा कि ठाकरे को समझ लेना चाहिए कि शिवसैनिकों तथा इस पार्टी के विधायकों, लोकसभा सांसदों और राज्यसभा सदस्यों का आंकड़ा कहां है। यह संख्या ही पूरी बात कह देती है। ठाकुर ने एक हिन्दी कहावत के जरिये ठाकरे पर कटाक्ष करते हुए कहा ?कि अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेत।

गौरतलब है कि निर्वाचन आयोग ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे की अगुवाई वाले गुट को 17 फरवरी को असली शिवसेना के रूप में मान्यता दी थी और उसे दिवंगत बालासाहेब ठाकरे द्वारा स्थापित अविभाजित शिवसेना का धनुष-बाण चुनाव चिन्ह आवंटित करने का आदेश दिया था। शिंदे और पूर्व मुख्यमंत्री ठाकरे के नेतृत्व वाले प्रतिद्वंद्वी गुट पार्टी के नियंत्रण को लेकर कानूनी लड़ाई में उलझे हैं। इस बीच, शिवसेना की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में मंगलवार शाम तय किया गया कि शिंदे शिवसेना के प्रमुख नेता बने रहेंगे।

उत्तर प्रदेश में अगली बार चुनाव में भाजपा बाहर होगी : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने विधानमंडल सत्र में बुधवार को बजट पेश होने से पहले एक ट्वीट में सरकार पर भोजपुरी गायिका नेहा सिंह राठौर के गीत 'यूपी में का बा' की तर्ज़ पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश में अगली बार चुनाव में भाजपा बाहर होगी। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि यूपी में का बा, यूपी में झुठे केसों की बहार बा, यूपी में गरीब-किसान बेहाल बा, यूपी में पिछड़े-दलितों पर प्रहार बा, यूपी में कारोबार का बंटाधार बा। उन्होंने लिखा कि यूपी में भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार बा, यूपी में बिन काम के बस प्रचार बा, यूपी में अगले चुनाव का इंतज़ार बा, यूपी में अगली बार भाजपा बाहर बा। अखिलेश के ट्वीट पर पलटवार करते हुए भाजपा की उप्र इकाई के मीडिया सहसंपर्क प्रमुख नवीन श्रीवास्तव ने ट्वीट किया कि यूपी में अपराधियन खातिर जेल बा, यूपी में आम आदमी का जीवन खुशहाल बा, यूपी में जाति धर्म का भेदभाव समाप्त बा। श्रीवास्तव ने अखिलेश के अंदाज़ में ही भोजपुरी में जवाब देते कहा कि यूपी में उद्योगपतियन खातिर बढ़िया माहौल बा, यूपी में भ्रष्टाचारियन पर लगाम बा, यूपी में अगड़ा पिछड़ा दलित सबकर सम्मान बा, यूपी में अगले कई चुनाव में कोई का मौका न बा। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान नेहा सिंह राठौर अपने भोजपुरी गीत 'बिहार में का बा' के ज़रिये सुर्ख़ियों में आई थीं और उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भी उन्होंने 'यूपी में का बा' गीत गाकर लोगों का ध्यान खींचा था। हालाँकि गोरखपुर के भाजपा सांसद रवि किशन समेत कई लोगों ने नेहा के गीत पर पलटवार करते हुए जवाब दिया था।

गुजरात के इस गांव में शराब बेचते पकड़े गए तो 51 हजार का जुर्माना, तम्बाकू-गुटका पर भी रोक

अहमदाबाद । गुजरात में शराबबंदी के बावजूद आए दिन देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती है7 शराबबंदी के खिलाफ सख्त कानून होने के बावजूद शराब तस्करी बदस्तूर जारी है। नतीजा यह है कि युवा पीढ़ी शराब समेत अन्य नशे की आदी होती जा रही है। युवाओं को नशे के चंगुल से बचाने के लिए स्थानीय स्तर पर भी प्रयास जरूरी हैं। उत्तरी गुजरात के एक गांव ने इसकी पहल करते हुए बड़ा फैसला किया है। बनासकांठा जिले की थराद तहसील के डोड ग्राम पंचायत शराब समेत गुटका-तम्बाकू पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। प्रतिबंध लगाने के साथ ही शराब व गुटका-तम्बाकू के लिए जुर्माना भी तय कर दिया है। अगर कोई व्यक्ति गांव में शराब बेचते पकड़ा जाता है तो उससे रु. 51000 जुर्माना वसूल किया जाएगा।

बिहार: सीएम पद पर तनातनी को लेकर तेजस्वी यादव ने तोड़ी चुप्पी, कहा- हमको कोई जल्दी नहीं है

पटना (एजेंसी)। बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर जदयू और राजद के बीच जबरदस्त तरीके से शब्द बाण चल रहे हैं। राजद जहां एक बार फिर से तेजस्वी यादव की ताजपोशी की मांग शुरू कर दी है। तो वहीं जदयू के नेता साफ तौर पर कह रहे हैं कि 2025 तक नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री रहेंगे। इसके बाद से इस बात की चर्चा भी जोरों पर है कि गठबंधन में दरार है। अब पहली बार तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पद को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं बिहार का मुख्यमंत्री बनने की जल्दी में नहीं हूं। इसके साथ ही उनसे महागठबंधन में दरार पर भी सवाल पूछा गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सब कुछ ठीक है। गठबंधन में किसी तरह की समस्या नहीं है। फिलहाल हम सभी लोगों का फोकस 2024 के आम चुनाव पर हैं।

तेजस्वी ने साफ तौर पर कहा कि हमारा भाजपा को सत्ता से बाहर करना पहला काम है। बिहार के उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि अपने निजी स्वार्थों के लिए हम सांप्रदायिक शक्तियों को सत्ता में फिर से आने नहीं देंगे। तेजस्वी यादव से ललन सिंह के भी बयान पर सवाल पूछा गया। मीडिया ने तेजस्वी से पूछा कि क्या आपके साथ कोई धोखा हुआ है? इस पर उन्होंने कहा कि ललन सिंह ने आखिर गलत क्या कहा है। इसका फैसला तो तभी होगा, जब समय आएगा। उन्होंने कहा कि 2025 से 2030 की ही तो बात की जा रही है। यह तो अच्छी बात है। तब तक मैं और भी अनुभव हासिल कर सकता हूं। नीतीश कुमार क्षमतावान नेता तो है ही।

लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे ने साफ तौर पर कहा कि 2024 में आम चुनाव में बिहार में भाजपा को एक भी सीट ना मिल सके यही हमारी पहली कोशिश है। पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी के बयान पर भी तेजस्वी यादव से सवाल पूछा गया। इसके जवाब में तेजस्वी यादव ने कहा कि सबकी अपनी इच्छा होती है। अगर वह चाहते हैं कि उनका बेटा मुख्यमंत्री बने तो उसमें कुछ गलत बात नहीं है। कौन अपने बेटे को उच्च से उच्च पद पर जाते नहीं देखना चाहता? दरअसल, कुछ दिन पहले जीतन राम मांझी ने बिना किसी का नाम लिए कहा था कि मेरा बेटा संतोष सुमन बिहार का मुख्यमंत्री बनने के लिए योग्य है क्योंकि वह पढ़ सकता है और दूसरों को भी पढ़ा सकता है।

दिल्ली एक ऐसा शहर, जहां सड़कों पर सबसे ज्यादा अनुशासनहीनता: नारायण मूर्ति

-दिल्ली में रोज कटते हैं 25-30 हजार चालान, फिर भी नहीं मानते लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने दिल्ली को एक ऐसा शहर बताया है, जहां सड़कों पर सबसे ज्यादा अनुशासनहीनता है। ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनके इस बयान को दिल्ली के लोगों को आइना दिखाने वाला बताया है। अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली में सबसे बड़ी दिक्कत ही यही है कि यहां रोड यूजर्स ट्रैफिक नियमों का सम्मान नहीं करते। यह व्यक्तिगत रूप से और एक समाज के रूप में भी हमारे चरित्र को उजागर करता है। ट्रैफिक पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने उदाहरण देते हुए कहा कि नए कर्तव्य पथ और इंडिया गेट के बीच सुरक्षित तरीके से आने-जाने के लिए बहुत अच्छे सब-वे बनाए गए हैं, लेकिन उनका इस्तेमाल करने के बजाय लोग बैरिकेड फांदकर और ट्रैफिक के बीच से सड़क पार करने की कोशिश करते रहते हैं। कनॉट प्लेस के आउटर सर्कल पर लगभग सभी क्रॉसिंग्स पर सब-वे बने हुए हैं, लेकिन इक्का-दुक्का लोगों को छोड़कर बाकी सब चलती गाड़ियों के बीच से ही रोड क्रॉस करते हैं। लोग कहते हैं कि सब-वे में गंदगी है या लाइट नहीं है। यही हाल सड़क पर गाड़ी चलाने वालों का भी है। इसी वजह से तमाम खुली चौड़ी सड़कों, फ्लाईओवरों, अंडरपास, टनल रोड्स और एलिवेटेड सड़कों के बावजूद रोड बिहेवियर के मामले में दिल्ली हर बार फिसड्डी साबित होती है। ट्रैफिक पुलिस के स्पेशल कमिश्नर एसएस यादव का कहना है कि केवल एनफोर्समेंट के जरिए स्थिति को नहीं सुधारा जा सकता। इसके लिए लोगों को खुद भी अपने बर्ताव में सुधार लाना होगा। ऐसा नहीं है कि रूल तोड़ने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। दिल्ली की सड़कों पर हर दिन करीब 25-30 हजार चालान कटते हैं। इनमें से करीब 15-20 हजार चालान सड़कों पर तैनात ट्रैफिक पुलिस की टीमें काटती हैं, जबकि हर महीने करीब 3.75 लाख चालान कैमरों के जरिए काटे जाते हैं, जो सिर्फ ओवर स्पीडिंग, स्टॉप लाइन-जेब्रा कॉसिंग वॉयलेशन और रेडलाइट जंप करने वालों के होते हैं। इसी तरह अवैध पार्किंग के भी रोज 7-8 हजार चालान कटते हैं। इसके बावजूद लोग ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करते। दिल्ली में एक बड़ी चुनौती यह भी है कि यहां ढाई करोड़ से ज्यादा आबादी है और डेढ़ करोड़ से ज्यादा गाड़ियां रजिस्टर्ड हैं।

मल्लिकार्जुन खड़गे का ऐलान, चाहे 100 मोदी और शाह आ जाएं, 2024 में बनेगी कांग्रेस की नेतृत्व वाली सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2024 चुनाव को लेकर अब राजनीतिक वार-पलटवार का दौर शुरू हो गया है। 2024 को लेकर सभी पार्टियों के अपने-अपने दावे हैं। इन सबके बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे नागालैंड में थे। नागालैंड में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ऐलान कर दिया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करेंगी और भाजपा को हरा देगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम अन्य दलों के साथ बहुमत को प्राप्त करेंगे। चाहे 100 मोदी और शाह क्यों ना आ जाए। उन्होंने कहा कि एक मजबूत गठबंधन के लिए विपक्षी दलों के साथ बातचीत जारी है। इसके साथ एक लड़के ने यह भी कहा कि नरेंद्र मोदी ने कई बार कहा है कि मैंमैं अकेला आदमी हूं जो देश का सामना कर सकता हूं। कोई अन्य व्यक्ति मुझे छू नहीं सकता।

इसके साथ ही खड़गे ने कहा कि कोई भी लोकतांत्रिक व्यक्ति ऐसा नहीं कह सकता। आप लोकतंत्र में हैं। आपको याद रखना चाहिए कि आप निरंकुश नहीं है। आप तानाशाही नहीं है। आप लोगों द्वारा चुने गए हैं और लोग आप को सबक सिखाएंगे। खड़गे ने साफ शब्दों में कहा कि 2024 में केंद्र में गठबंधन सरकार आएगी, कांग्रेस नेतृत्व करेगी। हम अन्य पार्टियों से बात कर रहे हैं, नहीं तो लोकतंत्र और संविधान चला जाएगा। उन्होंने कहा कि इसलिए, हर पार्टी के साथ हम फोन कर रहे हैं, हम बात कर रहे हैं, हम अपने विचार साझा कर रहे हैं। भाजपा को बहुमत नहीं मिलेगा। अन्य सभी दलों को एक साथ करके हम बहुमत प्राप्त करेंगे ... चाहे 100 मोदी या शाह आ जाए।

खड़गे ने कहा कि हमारे लोगों ने आजादी के लिए अपनी जान दी है। कांग्रेस के लोगों ने, भाजपा के लोग नहीं। मुझे बताएं कि क्या किसी भाजपा नेता को आजादी के लिए फांसी दी गई है, या आजादी के लिए लड़ा गया है? जेल गया है? इसके बजाय, एक आदमी जिसने आजादी दिलाई, महात्मा गांधी उन्होंने उसे मार डाला। और ऐसे लोग देशभक्ति की बातें कर रहे हैं?

भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने आगे कहा कि देश की एकता के लिए, इंदिरा गांधी ने अपनी जान दी। देश की एकता के लिए, राजीव गांधी ने अपनी जान दी। वे सोचते हैं कि उन्हें 2014 में ही स्वतंत्रता मिली थी। उन्हें 1947 याद नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

योगी सरकार के बजट में महिलाओं के हर वर्ग के लिये कुछ न कुछ

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश सरकार के बुधवार को पेश किये बजट 2023-24 में महिलाओं के हर वर्ग के कल्याण के लिये व्यवस्था की गयी है। बजट में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 1050 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है जबकि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए 600 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। बजट में अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। इसी प्रकार महिला सामर्थ्य योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 63 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। निराश्रित विधवाओं के भरण एवं पोषण अनुदान के लिए 4032 करोड़ रुपये की व्यवस्था है। महिलाओं के लिए बजट में ये रहा खास... बालिकाओं के प्रति आमजन की सकारात्मक सोच विकसित करने हेतु संचालित 'मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना' के अन्तर्गत प्रति लाभार्थी को रु० 15,000 तक की धनराशि से लाभान्वित किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 हेतु 1050 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। सभी वर्गों की पुत्रियों की शादी हेतु संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना हेतु 600 करोड रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान

योजना हेतु 150 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए महिला सामर्थ्य योजना के अन्तर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गठन किया जाता है। योजना हेतु वित्तीय वर्ष 2023-2024 के बजट में 83 करोड़ रुपए की व्यवस्था प्रस्तावित है। निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण अनुदान योजनान्तर्गत वर्तमान में 32 लाख 62 हजार निराश्रित महिलाओं को पेंशन दी जा रही है। इस हेतु वर्ष 2023 2024 के बजट में 4032 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था प्रस्तावित हैं। प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के तहत गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रदेश में जननी सुरक्षा योजना, जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आदि संचालित हैं। प्रदेश में नियमित टीकाकरण के अंतर्गत अक्टूबर, 2022 तक 95 प्रतिशत बच्चों को टीका लगाया गया। मिशन इन्द्र धनुष के अंतर्गत 36 लाख 82 हजार से अधिक बच्चों एवं 10 लाख 31 हजार से अधिक गर्भवती माताओं का टीकाकरण किया गया। प्रदेश में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए महिलाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनश्चित करने हेतु 03 महिला पीएसी बटालियन का गठन किया जा रहा है।

अल्लाह शब्द संस्कृत का, पुरी पीठ के शंकराचार्य बोले-सबके पूर्वज सनातनी

वाराणसी,। जमीयत उलेमा-ए-हिंद प्रमुख मौलाना सैयद अरशद मदनी के बयान पर पुरी पीठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अल्लाह शब्द संस्कृत का शब्द है। स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि अल्लाह शब्द मातृ वाचक और शक्तिवाचक शब्द है। ओम तो परमात्मा का नाम है। बुधवार को वाराणसी में मीडिया से बातचीत में स्वामी निश्चलानंद ने कहा कि धर्म पर सवाल उठाने वाले लोग संस्कृत व्याकरण का अध्यन करें। हम सबके पूर्वज सनातनी वैदिक आर्य ही थे। मीडिया से बातचीत में पुरी पीठ के शंकराचार्य ने बागेश्वर धाम का समर्थन किया। राजनीति और धर्म अलग-अलग नहीं एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हिंदुओं को भटकने से बचा रहे हैं। भगवान का नाम लेते हैं। वो अच्छा काम कर रहे हैं। धीरेंद्र कृष्ण अपनी ओर से कभी नहीं कहते कि उन्होंने

चमत्कार किया। वो हमेशा कहते हैं कि हनुमान जी की कृपा है। राजनीति में धर्म के इस्तेमाल होने पर कहा कि दोनों एक दूसरे से अलग-अलग नहीं हैं। उन्होंने संस्कृत के कुछ शब्दों का जिक्र कर कहा कि धर्म के बिना राजनीति हो ही नहीं सकती।

2024 में नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे:- रामचरितमानस से एक चौपाई हटाने की मांग पर शंकराचार्य ने कहा कि उन लोगों में हिम्मत है तो बाइबल और कुरान पर कटाक्ष करके दिखाएं। फिर क्या होता है, वह देखेंगे। रामचरितमानस पर टिप्पणी करने वाले लोग चाणक्य नीति का अध्ययन करें। एक सवाल के जवाब में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि 2024 में नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री रहेंगे। क्योंकि वह देश को लूटने वाले और अपने घर को भरने वाले नहीं हैं।

भारत के हिंदू राष्ट्र बनने के इंतजार में 15 देश:- स्वामी निश्चलानंद वाराणसी दौरे पर हैं। मंगलवार को अस्सी घाट पर प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा था कि मारीशस सहित 15 देश भारत के हिंदू राष्ट्र होने का इंतजार कर रहे हैं। यह औपचारिकता जैसे ही पूरी होगी, वैसे ही एशिया के अलग-अलग देश खुद को हिंदू राष्ट्र घोषित कर देंगे। उन्होंने कहा कि देश में कुछ युवतियों के साथ जो हुआ, वह आधुनिक शिक्षा पद्धति की दिशा हीनता को दशार्ता है। अगर मातृ शक्ति का सम्मान नहीं हुआ तो दुनिया में कुछ नहीं बचेगा। मातृ शक्ति की रक्षा सनातनी परंपरा है। मयार्दा और गोत्र को ध्यान में रखकर ही मातृ शक्ति को कोई कदम उठाना चाहिए।

उप्र सरकार का बजट लोकसभा चुनाव स्वार्थ को लेकर सिर्फ वादों का पिटारा : मायावती

लखनऊ, । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बुधवार को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए पेश किये गये बजट को ह्यऊंट के मुंह में जीरा करार देते हुए इसे लोकसभा चुनाव के स्वार्थ को लेकर एक बार फिर वादों का पिटारा करार दिया। उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बुधवार को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिये विधानसभा में छह लाख 90 हजार 242 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। बजट पेश होने के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बसपा प्रमुख मायावती ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा, ह्लउप्र सरकार द्वारा सदन में आज पेश बजट जनहित व जनकल्याण का कम एवं लोकसभा चुनाव (2024 में होने वाले) स्वार्थ को लेकर पुनः वादों का पिटारा। उन्होंने बजट पर सवाल उठाते हुए सलाह देते हुए कहा, ह्लक्या इस अवास्तविक बजट से यहां की जनता का हित

व कल्याण तथा भारत का ग्रोथ इंजन बनने का दावा पूरा होगा? कर्ज में डूबे उत्तर प्रदेश को भ्रमकारी नहीं रोजगार-युक्त बजट चाहिए। मायावती ने आगे कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में फर्क है। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, पिछड़ेपन एवं अराजकता आदि से त्रस्त है। लेकिन सरकार ने बदहाली को दूर करने के लिए कुछ किया ही नहीं। उन्होंने सरकार से पूछा, ह्यह्यकथनी व करनी में अन्तर से जनता के साथ विश्वासघात क्यों? बसपा प्रमुख ने कहा, यूपी सरकार द्वारा लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर नए भ्रमकारी वादे व दावे करने से पहले पिछले बजट का ईमानदार रिपोर्ट कार्ड लोगों के सामने नहीं रखने से स्पष्ट है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार में प्रति व्यक्ति आय व विकास की जमीनी हकीकत मिथ्या प्रचार व जुमलेबाजी है। बजट ऊंट के मुंह में जीरा है। मायावती ने दावा किया कि लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रति व्यक्ति आय में अपेक्षित वृद्धि, रोजगार व सरकारी भर्ती तो हुई नहीं, इसके विपरीत कर्ज का बोझ बढ़ गया जो सरकार की गलत नीतियों व प्राथमिकताओं का प्रमाण है। उन्होंने आरोप लगाया, ह्यह्यकर्ज के बढ़ते बोझ से स्पष्ट है कि सरकार, दावों एवं प्रचारों के विपरीत, हर मोर्चे पर विफल हो रही है।

स्कूली वाहन में डंपर की टक्कर से चालक के बाद शिक्षिका की भी मौत

बच्चों को स्कूल लेकर जा रहे वाहन में डंपर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में मृतकों की संख्या दो हो गई है, वाहन का चालक और एक शिक्षिका की मौत हो गई है। घटना में घायल बच्चों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। घायल बच्चों का हाथरस जिला अस्पताल, अलीगढ़ के जेएन मेडिकल कॉलेज और निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। बुधवार सुबह 8.30 बजे हाथरस में सिकन्द्राराऊ थाने के पुरदिलनगर स्थित एचकेजीएन पब्लिक स्कूल की मैक्स पिकअप यूपी 21 क्यू 2912 स्कूली बच्चो को लेकर स्कूल आ रही थी। ग्राम असोई व नगला बिहारी के बीच में हड्डी गोदाम के पास अधिक कोहरा एवं ओवरटेक करने के कारण डंपर एनएल 1 एई 7978 से टकरा गयी। जिसमें मैक्स पिकअप के चालक चिन्टू उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र ढाल सिंह निवासी पोरा सिकन्द्राराऊ, हाथरस की मृत्यु मौके पर ही हो गयी। घायलों को सीएचसी सिकन्द्राराऊ एवं मृतक चालक का शव जिला अस्पताल हाथरस मोर्चरी में भिजवाया गया। बाद में घायलों को जिला अस्पताल हाथरस एव मैडिकल कालेज अलीगढ़ रेफर किया गया है। मेडीकल कालेज चिकित्सको द्वारा अध्यापिका हनी उम्र 19 वर्ष पुत्री राजकुमार निवासी वाडी, थाना हसायन, हाथरस को मृत घोषित कर दिया गया । शान्ति व्यवस्था की स्थिति सामान्य है।

औरैया में क्षयरोगी खोज अभियान का शुभारंभ

औरैया में स्वास्थ्य विभाग का क्षयरोगी खोज अभियान ग्राम आनेपुर स्थित वृद्धाश्रम से शुरू हुआ। अभियान के प्रथम चरण में 20 से 23 फरवरी तक सक्रिय मरीजों को खोजने का कार्य किया जाएगा। अभियान में 24 सुपरवाइजरों की देखरेख में 120 टीमें लगाई गई हैं। उप जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ. एपी सिंह की उपस्थिति में ग्राम आनेपुर स्थित वृद्धाश्रम में आधा सैकड़ा से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग हुई। डॉ. सिंह ने जिलेवासियों से अपील की है कि वह अभियान में सहयोग करें। उन्होंने बताया कि यह अभियान पांच मार्च तक चलेगा। इस दौरान क्षय रोगियों को चिन्हित कर उन्हें निशुल्क उपचार भी दिलाया जाएगा। अभियान की

सफलता के लिए जिले में 24 सुपरवाइजरों की देखरेख में 120 टीमों का गठन किया गया है। टीमें घर-घर पहुंचकर लोगों की जांच करेंगी। इस दौरान जिले की कुल आबादी के सापेक्ष 20 प्रतिशत अर्थात कुल 6 लाख लोगों में टीबी के लक्षणों की जांच की जाएगी। टीबी के लक्षण मिलने पर सर्वे टीम उसी समय व्यक्ति के बलगम का नमूना लेकर जांच के लिए भेजेगी। रोग की पुष्टि होने पर दो दिन के भीतर व्यक्ति का उपचार शुरू हो जाएगा। पूरा अभियान तीन चरणों में रहेगा। साथ ही बताया कि छह महीने तक उपचार लेकर क्षयरोगी अपनी जान बचा सकता है। इस दौरान जिला पीपीएम समन्वयक, एसटीएलएस सर्वेश कुमार एवं टीबीएचवी रोहित सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे। प्रथम चरण में वृद्धाश्रम, मदरसा, जेल, सब्जी विक्रेता, फल विक्रेता, मजदूर वर्ग आदि की स्क्रीनिंग की जाएगी। इसके बाद चिन्हित मरीजों को स्वास्थ्य विभाग उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीण अंचल के मरीजों को डॉट केंद्रों के माध्यम से उपचार दिलाया जाएगा। क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जिला पीपीएम समन्वयक रविभान सिंह ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी रहे। ऐसा बुखार रहता हो जो शाम को बढ़ जाता है। सीने में दर्द हो, बलगम के साथ खून आए, भूख न लगे और वजन घट रहा है तो यह टीबी हो सकता है। यदि किसी भी व्यक्ति के अन्दर क्षय रोग के ये लक्षण दिखाई दें, तो उसकी जांच कराएं। जिला पीपीएम समन्वयक ने बताया कि जिले में कुल आठ टीबी यूनिट है। जांच के लिए 14 माइक्रोस्कोपिक सेंटर हैं। जहां बलगम की जांच होती है। दो एलईडी माइक्रोस्कोप हैं, एक सीबीनाट व चार टू-नाट मशीन है। एक डीआरटीबी सेंटर है, जिसमें चार बेड हैं। जिले में वर्ष 2023 में जनवरी से अब तक कुल 286 क्षय रोगी मिले हैं। इनका इलाज चल रहा है।

यूपी बजट 2023: योगी सरकार ने पेश किया भारी-भरकम बजट, पढ़ें बजट से जुड़ी बड़ी घोषणाएं

लखनऊ,। योगी सरकार 2.0 ने बुधवार को अपनी सरकार का दूसरा बजट पेश किया। बजट का आकार छह लाख 90 हजार दो सौ 42 करोड़ 43 लाख रुपये है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बजट का आकार हमारे कुशल वित्तीय प्रबंधन का प्रमाण है। बीते वर्ष जनता पर कोई नया कर नहीं लगाया गया फिर भी राजस्व की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा जनता को महंगाई से राहत देने के लिए पेट्रोल-डीजल पर वैट कम किया है। प्रदेश में इंफ्रास्ट्रक्चर पर बड़ा निवेश किया गया है। यही कारण है कि आने वाले समय में 21 एयरपोर्ट वाला यूपी देश का पहला राज्य होगा। यहां पढ़ें बजट से जुड़ी बड़ी घोषणाएं...

-प्रदेश के छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्ट फोन के लिए 3600 करोड़ रुपये देने का एलान किया गया है।

-वाराणसी-गोरखपुर में मेट्रो के लिए 100 करोड़ रुपये का एलान।

-झांसी-चित्रकूट लिंक एक्सप्रेस-वे के लिए 235 करोड़ रुपये का एलान।

-स्वास्थ्य व्यवस्था पर 12,650 करोड़ रुपये खर्च का एलान।

-प्रदेश में फार्मा पार्कों की स्थापना के लिए 25 करोड़ रुपये देने का एलान।

-प्रदेश के सभी जिलों में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना करने के उद्देश्य के तहत 14 नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जाएंगे।

-लखनऊ विकास क्षेत्र तथा प्रदेश के समस्त विकास प्राधिकरणों के विकास क्षेत्र तथा नगर क्षेत्र में अवस्थापना सुविधाओं का विकास तथा वाराणसी एवं अन्य शहरों में रोप-वे सेवा विकसित किये जाने हेतु 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।

-कानपुर मेट्रो रेल परियोजना हेतु वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 585 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।

-आगरा मेट्रो रेल परियोजना हेतु 465 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था का प्रस्ताव है।

-दिल्ली-गाजियाबाद मेरठ कॉरिडोर रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम परियोजना का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 1306 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।

-वाराणसी, गोरखपुर व अन्य शहरों में मेट्रो रेल परियोजना के कियान्वयन हेतु 100 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।

-मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण/नये शहर प्रोत्साहन योजना हेतु 3,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।

-गोरखपुर नगर स्थित गोडधोड्या नाला एवं रामगढ़ ताल के जीर्णोद्धार तथा इंटरसेप्शन, डाइवर्जन एवं ट्रीटमेंट सम्बन्धी परियोजना हेतु भूमि अधिग्रहण के लिए 650 करोड़ 10 लाख रुपये की व्यवस्था का प्रस्ताव है।

-उत्तर प्रदेश के कृषकों की दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की स्थिति में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना 14 सितम्बर, 2019 से लागू है। इस योजना के अन्तर्गत कृषक की परिभाषा का विस्तार किया गया है। योजना के अन्तर्गत दुर्घटनावश मृत्यु व दिव्यांगता की दशा में अधिकतम 5 लाख रुपये दिये जाने का प्रावधान है। योजना हेतु 750 करोड़ रुपये की बजट व्यवस्था की गई है।

-निर्माण श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा हेतु प्रत्येक राजस्व मण्डल में 1000 बालक व बालिकाओं के लिये कक्षा 06 से कक्षा-12 तक अध्ययन हेतु अटल आवासीय विद्यालय निमार्णाधीन हैं। इन विद्यालयों का संचालन आगामी सत्र 2023 2024 से प्रारम्भ किया जाना है। अवशेष निर्माण कार्य हेतु 63 करोड़ रुपये तथा उपकरण आदि के क्रय हेतु लगभग 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

-मातृत्व शिशु एवं बालिका मदद योजना के अन्तर्गत पंजीकृत महिला श्रमिक के संस्थागत प्रसव की दशा में निर्धारित तीन माह के न्यूनतम वेतन के समतुल्य धनराशि एवं रुपये 1000 को चिकित्सा बोनस तथा पंजीकृत पुरूष कामगारों की पत्नियों को रुपये 6000 एकमुश्त में दिये जाने का प्रावधान है।

-अधिकतम दो नवजात शिशुओं के पोष्टिक आहार हेतु लड़का पैदा होने पर एकमुश्त रुपये 20,000 तथा लड़की पैदा होने की स्थिति में रुपये 25,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किया जायेगा।

-जन्म से दिव्यांग बालिकाओं को रुपये 50,000 बतौर सावधि जमा जो 18 वर्ष के लिए होगा, भुगतान किये जाने का प्रावधान है। इसी तरह बौद्ध परिपथ के समेकित पर्यटन विकास हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 करोड़ रुपए, बुन्देलखण्ड का समेकित पर्यटन विकास हेतु 40 करोड़ रुपये, शुकतीर्थ धाम का समेकित पर्यटन विकास हेतु 10 करोड़ रुपये, प्रदेश में युवा पर्यटन को बढ़ावा देना हेतु 2 करोड़ रुपये उत्तर प्रदेश इको टूरिज्म, लखनऊ बोर्ड की स्थापना हेतु 2.50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है।

खेलो इंण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स के लिये 30 करोड़ रुपये व प्रदेश में निजी सहभागिता से खेल अवस्थापनाओं के निर्माण हेतु 50 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार योजना हेतु 15 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गई है। खेल विकास कोष की स्थापना हेतु 25 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। मेरठ में मेजर ध्यान चन्द्र खेल विश्वविद्यालय की स्थापना किये जाने के लिए 300 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे।

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में फायरिंग, गोली लगने से तीन की मौत, चार घायल

बदायूं, 22 फरवरी (वेब वार्ता)। बदायूं के जरीफनगर थाना क्षेत्र के गांव आरिफपुर भक्ता नगला में बुधवार दोपहर पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में जमकर गोलीबारी हो गई, जिसमें एक पक्ष के एक और दूसरे पक्ष के दो लोगों की मौत हो गई। जबकि चार लोग घायल हो गए। घायलों में एक की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। बताया जा रहा है कि गांव के अमर सिंह और महिपाल के बीच पुरानी रंजिश चल रही थी। दोपहर के समय दोनों ही पक्ष खेत पर मौजूद थे। इसी दौरान उनके बीच गाली-गलौज के बाद फायरिंग हो गई। दोनों ओर से चली गोली में अमर सिंह का भाई 30 वर्षीय रेशम पाल, महिपाल का बेटा 15 वर्षीय जयप्रकाश, उसका भतीजा 22 वर्षीय सत्येंद्र की मौके पर ही मौत हो गई। तो वहीं इस गोलीबारी में अमर सिंह, उसका भाई 25 वर्षीय राधेश्याम, महिपाल और महिपाल का भतीजा 24 वर्षीय हरिओम घायल हो गया। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसपी देहात अजय प्रताप और सीओ मौके पर पहुंच गए हैं। एसएसपी डॉक्टर ओपी सिंह घटनास्थल पर पहुंच रहे हैं।

महिलाओं, युवाओं और किसानों पर फोकस है बजट, किसी ने सराहा तो किसी ने बताया चुनावी बजट

भदोही, । योगी सरकार 2.0 का बजट सोमवार को वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने पेश किया। अब तक के सबसे अधिक पेपरलेस बजट में वित्त मंत्री ने कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। खासकर युवाओं, महिलाओं और किसानों पर बजट में सबसे अधिक फोकस रहा। बजट को अमर उजाला ने लोगों से बातचीत की। जिसमें लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया सामने आई। ज्यादातर लोगों ने इसे लोक कल्याणकारी बजट बताते हुए सबके हितों का ध्यान रखने वाला बजट बताया। परवारपुर निवासी मनमोहन सिंह ने बजट की प्रशंसा करते हुए कहा कि बजट में युवाओं और महिलाओं के लिए काफी कुछ हैं। खासकर विद्यार्थियों के तकनीकी दक्षता को स्मार्ट फोन व टैबलेट के ऐलान के साथ मां विंध्यवासिनी राज्य विश्वविद्यालय के लिए पचास करोड़ का प्रावधान किये जाने की प्रशंसा की। वहीं केएनपीजी कॉलेज के विश्वविद्यालय की श्रेणी में शामिल न होने पर मायूसी जतायी। ज्ञानपुर के किराना व्यापारी शिवम गुप्ता ने भी युवाओं के रोजगार के लिए किये गए प्रावधानों की प्रशंसा करते हुए इसे सर्वकल्याणकारी बजट बताया। ज्ञानपुर निवासी शिवशंकर मौर्य एडवोकेट ने इसे चुनाव से प्रेरित बजट बताया और कहा कि इसमें व्यापारियों और मध्यम वर्ग की अनदेखी की गई है। वहीं युवाओं के लिए भी कुछ खास नहीं दिया गया है।

पुलिस मुठभेड़ में चार पशु तस्कर गिरफ्तार, स्कॉर्पियो से करते थे रेकी, 13 मवेशी बरामद

आजमगढ़, । यूपी के आजमगढ़ जिले में पुलिस ने मुठभेड़ में चार पशु तस्करों को गिरफ्तार किया। हालांकि छह अन्य आरोपी भाग निकलने में सफल रहे। गिरफ्त में आए पशु तस्करों के कब्जे से 13 मवेशी बरामद हुए हैं। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दबिश जारी है। पशु तस्करों का यह गिरोह दिन में स्कॉर्पियो से रेकी करता था। रात में पिकअप पर मवेशी को लादकर फरार हो जाता था। एएसपी सिटी शैलेंद्र लाल ने बताया कि मुबारकपुर और आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों पशु चोरी के कई मामले सामने आए। पुलिस महकमा पशु चोरों की तलाश में लगा था। मंगलवार रात मुबारकपुर पुलिस व स्वाट टीम बम्हौर अंडरपास के पास मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बम्हौर पुराना पुल के पास चोरी के मवेशी रखे हुए हैं। जिन्हें चोर पिकअप से कहीं ले जाने की तैयारी में हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखते ही पशु चोरों ने गोली चलाई। घेराबंदी कर पुलिस ने चार पशु चोरों को पकड़ लिया तो तो वहीं छह अन्य मौके से भाग निकले। पकड़े गए आरोपियों में अरशद, राकेश, जावेद व सुरेंद्र शामिल हैं। पूछताछ में इन्होंने फरार अरोपियों का नाम वाकिब, शहजादे, मो. अकिल, हसीम, शकील व मेराज बताया। मौके से पुलिस ने 13 मवेशी, एक स्कॉर्पियो, एक पिकअप, तमंचा व कारतूस के साथ ही चार मोबाइल व 4400 रुपये नकद बरामद किए।

\उप्र बजट : प्रयागराज महाकुंभ के लिए 2500 करोड़ रुपये का प्रावधान

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में वर्ष 2025 में प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ के लिए 2500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। प्रयागराज में 2025 में आयोजित होने वाले महाकुंभ मेला को अब तक का सबसे भव्य आयोजन बनाने के लिए राज्य की योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व की सरकार ने इस बजट में भारी भरकम धनराशि प्रस्तावित किया है। महाकुंभ के आयोजन के लिए बीते साल के बजट 2022-23 में जहां 621.55 करोड़ रुपये प्रस्तावित किये गये थे, वहीं इसके सापेक्ष इस बार सरकार ने बजट में 2500 करोड़ रुपये की व्यवस्था की है। उल्लेखनीय है कि बतौर तीर्थ हिन्दुओं में प्रयागराज का एक महत्वपूर्ण स्थान है। परंपरागत तौर पर नदियों के मिलन को बेहद पवित्र माना जाता है और प्रयागराज में गंगा, यमुना और सरस्वती का मिलन होता है। प्रयागराज के संगम पर हर 12वें साल कुंभ और छठे साल पर अर्धकुंभ आयोजित होता था। योगी सरकार ने अर्धकुंभ को कुंभ और कुंभ को महाकुंभ का नाम दिया है।

उप्र बजट : बेटियों से लेकर निराश्रित महिलाओं तक के लिए धनराशि का प्रावधान

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में बेटियों से लेकर निराश्रित महिलाओं के लिए धनराशि का प्रावधान किया है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को विधानसभा में प्रस्तुत किये गये बजट में बताया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 1,050 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। वहीं मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के लिए 600 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा निराश्रित विधवाओं के भरण-पोषण के लिए 4032 करोड़ रुपये तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के निर्धन व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी अनुदान योजना के लिए 150 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है। महिला सामर्थ्य योजना के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 में 63 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने बताया कि स्व वित्त पोषित विद्यालयों में निर्धारित आय सीमा से कम आय वाले माता-पिता की दूसरी बच्ची की फीस प्रतिपूर्ति के लिए पांच करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित की गयी है। सरकार ने उत्तर प्रदेश रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना के अंतर्गत जघन्य हिंसा की शिकार महिलाओं, बालिकाओं को आर्थिक एवं चिकित्सीय सहायता के लिए वित्तीय वर्ष 2023- 2024 में 56 करोड़ रुपये के बजट की व्यवस्था की है। खन्ना ने बजट भाषण में घोषणा की कि उत्तर प्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्थापित पुष्टाहार उत्पादन इकाइयों एवं नैफेड के माध्यम से ह्लटेक होम राशनह्व के रूप में छह माह से छह वर्ष आयु वर्ग के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को अनुपूरक पुष्टाहार के वितरण की योजना को मूर्त रूप देने के लिए के बजट में 291 करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है।